RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 38 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 37 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री

शुक्रवार 02 मई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:40 बजे
सूर्यास्त सांय 18:58 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 मानव सभ्यता के विकास में श्रम का योगदान अनमोल

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 196 | गाजियाबाद, शुक्रवार 02 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

वेव्स शिखर सम्मेलन: शाहरुख, आलिया, दीपिका समेत कई सितारों ने वेव्स समिट में बिखेरा ग्लैमर

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

वेव्स शिखर सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बृहस्पतिवार को आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, शाहरुख खान समेत कई अन्य मशहूर सितारों की उपस्थिति देखने को मिली।

भारत को मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के मकसद से चार दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से निर्माता, फिल्म जगत से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों और नीति निर्माताओं को एक मंच पर लाया जा रहा है। दीपिका इस शिखर सम्मेलन में फैशन डिजाइनर मसाबा गुप्ता द्वारा डिजाइन किए गए सलवार सूट में पहुंचीं।

मसाबा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, ''दीपिका हाथ से बुना हुआ सूती सेट पहनती हैं, जिस पर 'पान फूल' और 'सोन वृक्ष' की हाथ से की गई नाजुक कढ़ाई है।'' अपने परिधान के साथ आलिया ने महाराष्ट्र दिवस मनाया और उन्होंने मराठी शैली में पैठणी साड़ी पहनी थी। महाराष्ट्र दिवस, 1960 में राज्य के गठन की याद दिलाता है।

अभिनेत्री अपने पति और 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन -शिवा' के अपने सह-कलाकार रणबीर कपूर के साथ यहां पहुंचीं। शाहरुख ने काले रंग की जैकेट और पैंट पहनी थी, जबकि आमिर खान ने भी काले रंग के कपड़े पहने थे। वेव्स 2025 के पहले सत्र का संचालन करने वाले अक्षय कुमार ने भूरे रंग का सूट पहना हुआ था। सैफ अली खान सफेद रंग के कपड़ों में पहुंचे, जबकि उनकी बेटी सारा अली खान आइवरी सलवार-सूट में नजर आईं।

पूरी तरह सफेद सूट पहने शाहिद कपूर के साथ उनकी पत्नी मीरा राजपूत भी थीं। अभिनेत्री हेमा मालिनी पीले रंग की रेशमी साड़ी में नजर आईं, जबकि निमरत कौर ने बैंगनी रंग की साड़ी पहनी थी।

'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) फिल्मों, ओटीटी (ओवर द टॉप), गेमिंग, कॉमिक्स, डिजिटल मीडिया, एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स -एक्सटेंडेड रियलिटी), प्रसारण एवं उभरती हुई तकनीक को एक मंच प्रदान करेगा और खुद को भारत के मीडिया एवं मनोरंजन कौशल के व्यापक प्रदर्शन के रूप में पेश करने का प्रयास करेगा। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य 2029 तक 50 अरब अमेरीकी डॉलर के बाजार को सबके लिए खोलना तथा वैश्विक मनोरंजन अर्थव्यवस्था में भारत की उपस्थिति का विस्तार करना है।

हाई अलर्ट पर युद्धपोत जहाजों की भी तैनाती

पाकिस्तान की खटिया खड़ी करने को तैयार भारतीय नौसेना!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की तीनों सेनाएं पूरी तरह से तैयार हैं। पाकिस्तान को भारत की ओर से कभी भी हमले का डर सता रहा है। दोनों देशों में तनाव अपने चरम पर पहुंच चुका है। इस बीच, भारतीय नौसेना ने अरब सागर में अपने अभियान को तेज कर दिया है। नौसेना आतंकी हमले के बाद बढ़े क्षेत्रीय तनाव के बीच समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के भीतर व्यापक अभ्यास कर रही है। न्यूज एजेंसी के रक्षा सूत्रों के अनुसार, युद्धपोत हाई अलर्ट पर हैं और जहाजों की तैनाती भी की गई है। कई एंटी-शिप और एंटी-

एयरक्राफ्ट फायरिंग की गई है, ताकि युद्ध की तत्परता का प्रदर्शन किया जा सके और क्षेत्र में संभावित खतरों को रोका जा सके। इन तैयारियों को देखते हुए कहा जा सकता है कि अन्य सेनाओं की तरह नौसेना भी किसी भी समय पाकिस्तान की खाट खड़ी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारतीय तटरक्षक बल ने भी निगरानी बढ़ाने के लिए नौसेना के साथ निकट समन्वय में काम करते हुए गुजरात तट से दूर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा के पास अग्रिम क्षेत्रों में जहाजों को तैनात किया है। इससे पहले रविवार को, भारतीय नौसेना के एक बयान के अनुसार, भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने कई सफल एंटी-शिप मिसाइल फायरिंग की।

अरब सागर में तैनात किए गए हैं युद्धपोत

इस अभ्यास का उद्देश्य नौसेना की युद्ध तत्परता और भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की उसकी क्षमता का प्रदर्शन करना है। युद्धपोतों को अरब सागर में तैनात किया गया था। पोस्ट में कहा गया है, भारतीय नौसेना के जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए प्लेटफॉर्म, सिस्टम और क्रू की तत्परता को फिर से प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। भारतीय नौसेना किसी भी समय कहीं भी किसी भी तरह से देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार है। यह जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर किया गया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था।

सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का भी परीक्षण

इससे पहले, भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सूरत ने अरब सागर में मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआर-एसएएम) वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण अरब सागर में पाकिस्तान नौसेना द्वारा निर्धारित सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल परीक्षण से पहले हुआ है। एमआर-एसएएम सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों और अन्य हवाई लक्ष्यों के खिलाफ अत्यधिक प्रभावी है। भारतीय नौसेना ने एक्स पर लिखा, भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में लक्ष्य को सफलतापूर्वक निशाना बनाया, जो हमारी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।

सेना का मनोबल मत तोड़ो, जिम्मेदार वकील बनो

● पहलगाम की जांच वाली याचिका पर एससी ने वकील को जमकर फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज से जांच कराए जाने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता फतेश साहू को फटकार लगाते हुए कहा कि इस तरह की याचिकाएं सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा सकती हैं। पीठ ने कहा, यह बेहद नाजुक घड़ी है जब देश का हर नागरिक आतंकवाद से लड़ने के लिए एकजुट हुआ है। कृपया ऐसा कुछ न कहें जिससे सुरक्षा बलों का मनोबल टूटे। विषय की संवेदनशीलता को समझिए। पेशे से वकील याचिकाकर्ता साहू ने स्वयं अदालत में उपस्थित होकर कहा कि उनका उद्देश्य सुरक्षाबलों को हतोत्साहित करना नहीं था और वे अपनी याचिका वापस लेने को तैयार हैं। पीठ ने उन्हें फटकारते हुए कहा, इस तरह की याचिका दायर करने से पहले जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। आपको देश के प्रति जिम्मेदार रहना चाहिए। इस तरह से आप हमारे बलों को कैसे

हतोत्साहित कर सकते हैं। अदालत ने यह भी बताया कि फतेश साहू के अलावा एक और याचिका अहमद तारिक बट द्वारा दायर की गई थी, लेकिन उस पर कोई पक्ष उपस्थित नहीं हुआ, इसलिए वह याचिका नहीं सुनी गई।

हरियाणा और पंजाब में पानी पर जमकर बवाल

भारी विवाद के बीच बीबीएमबी के डायरेक्टर-सेक्रेटरी बदले

नंगल डैम पहुंचे मान, सैनी बोले-पानी पाकिस्तान चला जाएगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भाखड़ा नहर से पानी के विवाद को लेकर हरियाणा और पंजाब के बीच बवाल मच गया है। दोनों राज्यों के विवाद को देख भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के वाटर रेगुलेशन डायरेक्टर के बाद सेक्रेटरी को बदल दिया गया है। सेक्रेटरी सुरिंदर सिंह मित्तल हरियाणा के कोटे से बोर्ड में नियुक्त थे। अब सेक्रेटरी का चार्ज पंजाब कोटे के बलवीर सिंह को दे दिया गया है। इससे पहले पंजाब कोटे से बोर्ड में नियुक्त

भाखड़ा डैम के डायरेक्टर (वाटर रेगुलेशन) इंजी. आकाशदीप सिंह को हटाया गया था। उनकी जगह हरियाणा कोटे से नियुक्त इंजी. संजीव कुमार को डायरेक्टर रेगुलेशन लगाया गया है। इसी बीच पंजाब सरकार के सूत्रों का कहना है कि पंजाब पुलिस ने नंगल डैम के कंट्रोलिंग स्टेशन पर घेरा डाल लिया है। किसी को भी डैम के आसपास जाने की इजाजत नहीं है। सीएम भगवंत मान ने फिर कहा कि पंजाब का पानी पंजाबियों के लिए है, इसे किसी और को नहीं जाने देंगे।

घटिया राजनीति छोड़े आम आदमी पार्टी: सैनी

सीएम नायब सैनी ने कहा- चुनाव आ गया है। अब एएपी सरकार ऐसा ही करेगी। पंजाब के लोग ये समझ रहे हैं। एएपी ये गंदी राजनीति कब तक करेगी। विकास की राजनीति कब करेगी। पंजाब संतों की धरती है, यहां के लोग सबको पानी पिलाते थे, वह मस्त रहते थे, बिना किसी भेदभाव के सबको पानी पिलाते थे। हमें यहां के संतों से प्रेरणा लेकर काम करना चाहिए। ये घटिया राजनीति छोड़िए। सीएम ने आगे कहा, लोग तो बुला बुलाकर पीने का पानी पिलाते हैं। आज तक के इतिहास में पीने के पानी को लेकर कोई भी विवाद नहीं हुआ। पंजाब हमारा बड़ा भाई है, क्यों दोनों के बीच डिफरेंस खड़ा कर रहे हैं। मेरा घर है पंजाब, क्या हम जाएंगे नहीं पंजाब। अगर पंजाब प्यासा रहता है तो हम अपने हिस्से का पानी वहां के लोगों को देंगे। मान सरकार के कारण हमारा पानी पाकिस्तान जाएगा।

नक्सलियों के गढ़ में फहर गया भारत का तिरंगा

छत्तीसगढ़ की कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर सुरक्षाबलों का कब्जा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित कर्रेगुट्टा पहाड़ी, लंबे समय से नक्सलियों का अभेद्य गढ़ मानी जाती थी।

लेकिन अब ये पहाड़ी भारतीय सुरक्षाबलों के नियंत्रण में है। 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत 9 दिनों की कठिन चढ़ाई और रणनीतिक अभियान के बाद सुरक्षाबलों ने इस पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और वहां तिरंगा झंडा फहरा दिया है। इस ऐतिहासिक जीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें जवान गर्व से तिरंगा लहराते

नजर आ रहे हैं। कर्रेगुट्टा पहाड़ी समुद्र तल से लगभग 5,000 फीट की ऊंचाई पर है। बताया जाता है कि ये पहाड़ी लंबे समय से नक्सलियों के पीपुल्स लिबरेशन गेरिला आर्मी (एलजीए) के बटालियन नंबर 1 का मुख्य ठिकाना थी। इस क्षेत्र में करीब 500-1,000 नक्सली छिपे हुए थे।

नक्सलियों का गढ़ अब जवानों के कब्जे में

कर्रेगुट्टा पहाड़ी को नक्सलियों का 'ब्लैक फॉरेस्ट' या 'ब्लैक हिल्स' भी कहा जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र इतना घना और दुर्गम है कि शाम 4 बजे के बाद अंधेरा छा जाता है। स्थानीय लोग इस इलाके में जाने से डरते थे। सुरक्षाबलों ने न केवल पहाड़ी पर कब्जा किया, बल्कि वहां एक अस्थायी कैंप भी स्थापित किया, जिससे निगरानी और अभियान को और मजबूती मिलेगी। रिपोर्टों के अनुसार, इस अभियान में नक्सलियों की बटालियन नंबर 1 को चारों ओर से घेर लिया गया है। करीब 2,000 नक्सलियों को घेरने की खबर है।

एक आइडिया के जरिए क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ अब जुड़ेगा युवा

मुंबई में डब्ल्यूएवीई समिट में पीएम मोदी बोले-यह है ऐसा प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (डब्ल्यूएवीई) को संबोधित करते हुए कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, इंवेस्टर्स और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम ने कहा- वेव्स ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है - कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल कनेक्ट की। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा।

जाति की बिसात पर सियासत! बिहार में अबकी होगा 'खेला'

● किसी को चाहिए सत्ता में भागीदारी तो किसी ने टिकाई आरक्षण पर नजर

पटना (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति गणना कराने का ऐलान क्या किया, राजनीतिक दलों में श्रेय लेने की तो होड़ मच गई। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने श्रेय लेने की होड़ में खुद को शामिल किया और कहा कि उनके पिता का 30 वर्षों प्रयास सफल रहा। तेजस्वी इस दौड़ में अकेले नहीं हैं। वैसे, बिहार की तत्कालीन

महागठबंधन सरकार ने 2023 में जाति सर्वेक्षण कराया था। फिर नवंबर में सर्वे रिपोर्ट को विधानसभा में पेश किया गया। जाति सर्वेक्षण के के अनुसार राज्य की 13.07 करोड़ की आबादी में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) की हिस्सेदारी 63.13 प्रतिशत है, जबकि सवर्ण जातियों की हिस्सेदारी 15.52 प्रतिशत है।

नीलगाय को बचाने के प्रयास में स्कॉर्पियो पलटी दो साथियों की मौत, तीन घायल

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित गांव पेदी में नगीना रोड पर बीती देर रात नील गाय को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलट गई। हादसे में जहां दो दोश्तों की मौत हो गई, वहीं पांच युवक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि मृतकों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए। जानकारी के अनुसार शिवांग (24) पुत्र निवासी आवास विकास, देवांश (22) पुत्र अरुण निवासी सलमाबाद, आदित्य (23) पुत्र सुनील कुमार निवासी घेर रामबाग, आर्यन (21) पुत्र नीटू सिंह निवासी मायापुरी नागल सोती, शिवम (25) पुत्र सुनील व विशु (24) पुत्र ओमवीर सिंह निवासी वसुंधरा विहार बुधवार शाम कोतवाली देहात में एक शादी समारोह में गए थे। बुधवार देर रात करीब 1.30 बजे बिजनौर लौटते हुए नगीना रोड पर वीकेआइटी कॉलेज के समीप नीलगाय को बचाने के चक्कर में उनकी स्कॉर्पियो सड़क किनारे पलट गई। हादसे में सातों दोश्त गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में देवांश और शिवांग को मेरठ रेफर कर दिया गया। राश्ते में दोनों की मौत हो गई। वहीं, अन्य पांच युवकों का उपचार चल रहा है।

नगीना वार्ड न0 23 में घर-घर जाकर किया गया डस्टबिन का वितरण

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगर पालिका नगीना ने चलाया डस्टबिन वितरण अभियान, हितग्राहियों को किया वितरण। नगीना नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के प्रत्येक वार्डों में घर घर हितग्राहियों को डस्टबिन वितरण किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आज वार्ड क्रमांक 23 में डस्टबिन (कूड़ेदान) बांटे, गीला और सूखा कचरा अलग करने की मुहिम में नगर पालिका परिषद नगीना में स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। ईओ संदीप सक्सेना ने वार्ड के सभासदों को गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदान वितरित किए। इनमें हरे रंग के कूड़ेदान गीले कचरे के लिए डस्टबिन वितरण अभियान चलाया गया। वार्ड क्रमांक 23 के सभासद संजीव दत्त शर्मा उर्फ गोपाल ने बताया की नगर में स्वच्छता अभियान को लेकर नगर पालिका की ओर से घर-घर डस्टबिन का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 23 के सभासद संजीव दत्त शर्मा उर्फ गोपाल के द्वारा डस्टबिन प्रदान कर नगर को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया। इस अवसर नगर पालिका सभासद संजीव दत्त शर्मा उर्फ गोपाल ने कहा की नगर वासी नगर पालिका का सहयोग कर नगर को स्वच्छ सुंदर नगर बनाने में सहयोग प्रदान करे। नगर नगीना में निरंतर नगर में साफ सफाई का क्रम जारी है। नगर के सभी ही वार्डों में नगीना नगर में स्वच्छता हो घर घर डस्टबिन दिए जा रहे है। जिससे की सुविधा के साथ घर का सूखा तथा गीला कचरा गाड़ी में डाला जाए। जो लोग अभी रह गए हैं नगर पालिका की तरफ से डस्टबिन का वितरण किया जाएगा।

यूनिटी प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने थाना अध्यक्ष के खिलाफ डीआईजी को सौंपा शिकायत पत्र

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷। स्थानीय पुलिस कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, निष्पक्ष कार्यवाही की मांग। यूनिटी प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने आज थाना अध्यक्ष के खिलाफ वायरल ऑडियो के संबंध में डीआईजी को एक शिकायत पत्र सौंपा। शिकायत में लिखा थाना अध्यक्ष पत्रकारों को गंदी गंदी गली दी, पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार और पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगाया गया है। क्लब के अध्यक्ष (जफर इक़बाल एडवोकेट) ने बताया कि थाना क्षेत्र में काम कर रहे कई पत्रकारों को हाल के दिनों में अनावश्यक रूप से परेशान किया गया है। उनके कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति पत्रकारिता की मूल आत्मा के खिलाफ है और इसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। डीआईजी को सौंपे गए पत्र में क्लब के महामंत्री इमरान उस्मानी, मंत्री जुबैर हसन अर्शी,कोषाध्यक्ष मो अजहर, संगठन मंत्री यूसुफ गाज़ी सहित अन्य पदाधिकारियों के हश्ताक्षर हैं। पत्र में निष्पक्ष कार्यवाही की मांग करते हुए थाना अध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से हटाने की भी अपील की गई है। डीआईजी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायत को गंभीरता से लिया गया है। और मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। यूनिटी प्रेस क्लब ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे।

जाति जनगणना से बदल जाएंगे जम्मू कश्मीर में जातीय समीकरण

जम्मू, एजेंसी।
जम्मू कश्मीर में जाति जनगणना करवाने पर जातीय समीकरण बदल जाएंगे। प्रदेश में अनुसूचित जाति ;एससीद्धए अनुसूचित जनजाति ;एसटीद्धए अन्य पिछड़ा वर्ग ;ओबीसीद्धए पिछड़े क्षेत्रों के निवासी ;आरबीएद्धए वास्तविक नियंत्रण रेखा ;एलएसीद्धए दिव्यांगए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग ;ईडब्ल्यूएसद्ध आदि श्रेणी में आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन नए सिरे से जाति जनगणना से लगभग सभी आंकड़े बदल जाएंगे। साल 2011 के बाद कोई नई जनगणना नहीं हो सकी है। अगर केंद्र सरकार जाति जनगणना जल्द करवा लेती है तो इसका प्रदेश के आगामी पंचायतए स्थानीय निकाय चुनाव और नगरोटा व बड़गाम उपचुनाव पर प्रभाव दिखेगा। पिछले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उपराज्यपाल प्रशासन ने जम्मू.कश्मीर में पहाड़ियों को 10 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें एसटी.2 में रखा था। गुज्जर.बकरवाल को पहले ही दस फीसदी आरक्षण मिलता है। इससे अनुसूचित जनजाति को 20 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हो गया। ओबीसी के आरक्षण को भी दोगुना करते हुए आठ प्रतिशत कर दिया गया। आरक्षण में वृद्धि पर विवाद जारी है। यह मामला न्यायालय में भी विचाराधीन है। आरोप है कि इससे सामान्य वर्ग की हिस्सेदारी घट गई और आरक्षित श्रेणी का आरक्षण हारिजेंटल और वर्टिकल 70 प्रतिशत

तक पहुंच गयाए जबकि यह 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। इसको लेकर नेकां सांसद रुहुल्ला मेहदी लगातार आवाज उठाते रहे हैं। सरकार ने मौजूद आरक्षण नीति में संशोधन के लिए एक उपसमिति भी बनाई है। दावा है कि प्रदेश की कुल आबादी में से ओबीसी ;अन्य पिछड़ा वर्गद्ध की 52 प्रतिशत आबादी हैए लेकिन उन्हें सिर्फ 8 प्रतिशत ही आरक्षण दिया जा रहा है। एससी को 8 प्रतिशतए एसटी एक और एसटी दो को 10.10 प्रतिशतए ओबीसी को आठ प्रतिशतए आरबीए को 10 प्रतिशतए एलएसी को 3 प्रतिशतए दिव्यांग को 3 प्रतिशतए ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत सहित अन्य श्रेणियों में आरक्षण का प्रावधान है। इनमें आरबीएए एलएसी जैसी श्रेणियों में जम्मू कश्मीर को छोड़कर देश के अन्य दूसरे राज्यों में आरक्षण का प्रावधान नहीं है। जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जनक राज कोतवाल की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय ओबीसी आयोग ने ओबीसी आरक्षण की सिफारिशों की रिपोर्ट को गत मार्च में सरकार को सौंप दिया था। आरक्षण पर फैसला होने के बाद ही पंचायत चुनाव संभव होंगे। पंचायत और ब्लाक विकास परिषदों का पांच साल का कार्यकाल 9 जनवरी 2024 को पूरा हो चुका है। नगर पालिकाओं का कार्यकाल अक्तूबर.नवंबर 2023 में समाप्त हुआ था। प्रदेश की कुल आबादी में से 70 लाख से अधिक पंचायत मतदाता हैं। आल जेएंडके पंचायत कान्फ्रेंस के अध्यक्ष अनिल शर्मा कहते हैं कि जाति जनगणना के साथ आर्थिक जनगणनाए बेरोजगारी आदि होनी चाहिए। इससे साफहोगा देश में जम्मू कश्मीर कहां खड़ा है। प्रदेश की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी पंचायत स्तर पर हैए जिससे जाति जनगणना से अधिक प्रभाव रहेगा। जम्मू कश्मीर में पंचायत चुनाव लंबित हैं। वर्ष 2017.18 में जनगणना 2011 के आधार पर पंचायतों का परिसीमन किया गया था।

18 साल से भारत में थे रियाज खान, अब पत्नी और 3 बच्चों को छोड़कर वापस जाना पड़ा पाकिस्तान

जम्मू, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को कई पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से निष्कासित कर वाघा-अटारी संयुक्त चेकपोस्ट के ज़रिए पाकिस्तान भेज दिया। यह कार्रवाई केंद्र सरकार के उस आदेश के तहत हुई, जिसमें 1 मई से पहले सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के निर्देश दिए गए थे। भारत सरकार ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद यह फैसला किया था।

आपको बता दें कि जैसे ही पुलिस बस छ्ष्टक्क के गेट के बाहर रुकी राजौरी की सारा खान अपने नवजात को गोद में लिए बाहर निकलीं और मीडिया से अपनी व्यथा साझा की। उसने बताया कि उसने 14 दिन पहले सिजेरियन ऑपरेशन के ज़रिए एक बेटे को जन्म दिया था और डॉक्टरों ने उसे यात्रा न करने की सलाह दी थी। लेकिन उसे उसके गृहनगर से सैकड़ों किलोमीटर दूर लाया गया।

सारा पहले से ही छह वर्षीय लड़के उमर हयात खान की मां हैं। उसे दो साल का दीर्घकालिक वीजा जारी किया गया था, जिसकी अवधि जुलाई 2026 में समाप्त हो रही है। सारा के पति औरंगजेब खान ने कहा कि उन्होंने 2017 में अपनी चचेरी बहन सारा से शादी की थी। उनका जन्म और पालन-पोषण मीरपुर में हुआ, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आता है। उनके माता-पिता 1965 में भारत से यहां आकर बस गए थे।

कुपवाड़ा के रियाज खान ने कहा कि उनके पिता भारतीय सेना में थे और उन्होंने जिला विकास परिषद, कुपवाड़ा का चुनाव लड़ा था। इसके बावजूद उन्हें निर्वासित किया जा रहा था। कुपवाड़ा के एक सीमावर्ती गांव के निवासी। वे 12 साल की उम्र में अनजाने में पाकिस्तान चले गए थे। 2007 में जब वे 24 साल के थे तो वे अटारी भूमि मार्ग से भारत लौट आए। 18 साल बाद उन्हें अपनी पत्नी और तीन बच्चों को छोड़कर पाकिस्तान निर्वासित किया जा रहा था। पुलिस बस की जालीदार खिड़की के पीछे से उसने अपनी राष्ट्रीयता साबित करने के लिए अपना आधार कार्ड दिखाया।

भारतीय नागरिक होने का दावा करने वाली राधा ने कहा कि उसे कठुआ जिले में उसके घर से आधी रात को उठाया गया था। अपनी नागरिकता साबित करने के लिए उसके पास सभी दस्तावेज होने का दावा करते हुए उसने कहा कि उसके बावजूद उसे पाकिस्तान भेजा जा रहा है।

60 साल की राधा ने कहा कि पाकिस्तान में उसका कोई रिश्तेदार नहीं है और उसके सभी बेटे और बेटियां जम्मू क्षेत्र में रहते हैं। उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तान में पैदा हुई थी जहां उनके माता-पिता रहा करते थे। वे विभाजन के काफी समय बाद भारत आ गए। उनके साथ वह भी यहां आई। उन्हें अब याद नहीं है कि उनके माता-पिता पाकिस्तान में कहां रहा करते थे।

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने पाकिस्तान पर सख्त रुख अपनाया है। सिंधु जल संधि को निलंबित करने के अलावा पाकिस्तानी नागरिकों को निष्कासित करने और अटारी-वाघा सीमा बंद करने जैसे कदम उठाए गए हैं।

पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाना देशद्रोह के बराबर : सीएम सिद्धारमैया

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि भारत में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाना गलत है और यह देशद्रोह के बराबर है. बता दें कि उन्होंने पिछले सप्ताह यह बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया था कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध नहीं छेड़ना चाहिए. उनकी नवीनतम टिप्पणी मंगलुरु में हुई चौंकाने वाली घटना के जवाब में थी, जहां केरल के वायनाड के एक युवक की क्रिकेट मैच के दौरान पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने पर कथित तौर पर भीड़ के हमले में हत्या कर दी गई थी.

सिद्धारमैया ने कहा, अगर किसी ने पाकिस्तान के पक्ष में नारे लगाए हैं तो यह गलत है. चाहे वह कोई भी हो, यह देशद्रोह का कृत्य है. मुख्यमंत्री ने कहा, जहां तक ??मंगलुरु की घटना का सवाल है, जांच चल रही है और घटना के संबंध में 15 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है. सच्चाई सामने

आने का इंतजार करें. पहले जांच पूरी हो जाने दें. इस बीच, पुलिस ने मृतक की पहचान केरल के वायनाड के पुलपल्ली निवासी अशरफ के रूप में की है. मंगलुरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल के अनुसार, अशरफ का शव पुलिस को मंगलुरु के बाहरी इलाके कुडुपु में एक मंदिर के पास मिला.

पोस्टमार्टम के बाद पुलिस को पता चला कि अशरफ की मौत आंतरिक रक्तस्राव और हमले के बाद सदमे के कारण हुई थी. आगे की जांच से पता चला कि अशरफ पर 30 युवकों की भीड़ ने हमला किया था, जो एक क्रिकेट मैच खेल रहे थे, उसके बाद उसके और कुछ युवकों के बीच विवाद हो गया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक अशरफ पर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने की वजह से हमला किया गया. अग्रवाल ने कहा, पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है.

आयुक्त ने आगे कहा, ऐसी जानकारी है कि मंगलुरु शहर की एक पूर्व पार्षद का पति भी हमले में शामिल है और पुलिस इसकी जांच कर रही है. आयुक्त अग्रवाल ने पहले कहा था, पच्चीस संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उनमें से 15 को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है. उन्हें जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा.

चर्चित गोली कांड में पीड़ित परिवार ने की संसद से न्याय की मांग

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

नगर में बीते सप्ताह मोहल्ला जोशियांन में भाजपा के बेहद मिलनसार एवं व्यवहार कुशल बूथ अध्यक्ष बिट्टू को गोली मारकर मौत के घाट उतारने के प्रयास के मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने आज क्षेत्रीय सांसद चंदन चौहान से भेंट कर न्याय दिलाए जाने की गुहार लगाइ।

मालूम हो कि बीते सप्ताह मोहल्ला जोशियांन में समाज के ही सफेद पोस के संरक्षण में बेहद मिलनसार एवं व्यवहार कुशल बूथ अध्यक्ष बिट्टू तथा दो अन्य पर गोली तथा डंडों से वार कर मौत के घाट उतारने का प्रयास किया गया। हालांकि यदि झालू चौकी पुलिस घटना से पूर्व दी गई सूचना पर थोड़ा सा भी अमल कर लेती तो इस बड़ी घटना से बचा जा सकता था।

वही घटना में गंभीर रूप से घायल बूथ अध्यक्ष बिट्टू को दिल्ली मैक्स में भर्ती कराया गया जहां उनके अभी तक दो ऑपरेशन हो चुके हैं। उनका उपचार किया जा रहा है उनके सीने में फंसी गोली को निकाल दिया गया।

वहीं पीड़ित परिवार दबंगओ की दबंगई से बेहद भयभीत है। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर बिट्टू का परिवार इस समय खौफ के साए में जी रहा है। जबकि घटना को अंजाम देने वाले लोग निर्भीक रूप से नगर में घूम रहे हैं।

आरोप है कि एक सप्ताह गुजर जाने के बाद भी पुलिस के हाथ आरोपियों तक नहीं पहुंच पाए हैं। जबकि अपर पुलिस अधीक्षक नगर घटना को लेकर पुलिस को सख्त निर्देश दे चुके हैं। पीड़ितों के शिकायत पर आज सांसद चंदन चौहान ने हलदोर इंस्पेक्टर को मौके पर बुलवाकर उन्हें अति शीघ्र घटना का खुलासा कर पीड़ितों को न्याय और आरोपियों को कठोर सजा दिलाया जाने की बात कही है।

हल्दौर थाना प्रभारी निरीक्षक ने संसद को दो दिन में घटना के आरोपियों को जेल की सलाखों में भेजे जाने का भरोसा दिलाया।

डीएम ने की प्रबंध समिति की बैठक

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

डीएम जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज अपराह्न 12:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में श्री विदुर सेवा आश्रम, दारानगर गंज, जिला बिजनौर से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रबंध समिति की बैठक आयोजित हुई। अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर अवनीश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव, तहसीलदार अमरपाल सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि विदुर आश्रम में कोई भी आवासीय कमरा अनाधिकृत रूप से कब्जे में ना रहे और जिन कमरों में लोग प्रवास कर रहे हैं उनसे निर्धारित किराया भी वसूल किया जाना सुनिश्चित करें। इसी के साथ उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जर्जर अवस्था वाले आवासीय कमरों को रिनोवेट कराएं ताकि किसी दुर्घटना का अंदेशा न रहे। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विदुर कुटी आश्रम के प्रमुख द्वारा एवं मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं और उनके कंट्रोल के लिए एक रूम निर्धारित करें। उन्होंने उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि विदुर कुटी परिसर में एक पुलिस चौकी स्थापित कराने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि विदुर कुटी आश्रम एक प्रसिद्ध स्थान एवं पर्यटन स्थल है।

सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर बी के स्नेही ने की मीटिंग

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

आशा कलस्टर मीटिंग में आशाओं को आभा आईडी बनाने ,संस्थागत प्रसव और नसवंदी केस कराने के दिए सख्त आदेश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह महोदय के निर्देशों के क्रम में आज सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉक्टर बी के स्नेही ने समश्त आशाओं की कलस्टर मीटिंग ली। जिसमें उन्होंने सभी को शासकीय कार्यों में रुचि न लेने पर सख्त चेतावनी दी और कार्य में सुधार न होने पर इनके खिलाफ उच्च अधिकारियों को लिखे जाने के संबंध में अवगत कराया।

आज डॉक्टर स्नेही ने बताया कि क्लस्टर मीटिंग में दो संगिनी और 30 आशा उपस्थित थी।सभी को निर्देशित कर दिया गया है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रम में रुचि लेकर कार्य करें। जिनमें प्रमुख है आभा आईडी बनाने पर जोर दें। प्रत्येक गांव में प्रत्येक नागरिक की आभा आईडी बनाई जा रही है ।इस दौरान अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके साथ ही संस्थागत प्रसव करा ने,परिवार नियोजन कार्यक्रम में नसबंदी कैंप में केस कराने पर जोर दे।इसके साथ 2 राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान, टीडी टीकाकरण अभियान में लक्ष्यनुपात में कार्य करे।सभी को लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए है। इस दौरान हैल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार वीर सिंह, योगेश कुमार, हरीश कुमार प्रदीप रावत आदि भी उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी में महिला समेत दो आरोपी गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। विजयनगर पुलिस ने गांजा तस्करी के आरोप में महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सवा दो किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी रेलवे स्टेशन और आर्मी ग्राउंड के पास पुड़िया बनाकर गांजा बेचते थे। जेपीए कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि एक मई को विजयनगर पुलिस आर्मी ग्राउंड के पास चेकिंग कर रही थी।

फर्जी कागजात पर कृषि भूमि का बैनामा कराया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर में फर्जी कागजात तैयार करके 12 वर्षीय किशोर की कृषि भूमि का बैनामा करने का मामला सामने आया है। बैनामा कराते समय किशोर के स्थान पर किसी अन्य बालिग व्यक्ति खड़ा किया गया। आरटीआई एक्टिविस्ट की शिकायत पर पुलिस ने जांच कराकर रिपोर्ट दर्ज की है।

नगर की डबल स्टोरी कॉलोनी निवासी आरटीआई एक्टिविस्ट आकाश चौधरी ने पुलिस को शिकायत दी थी कि मोदीनगर तहसील के गांव रघुनाथपुर निवासी 12 वर्षीय किशोर दीपक पुत्र राजकुमार की कृषि भूमि का बैनामा मोदीपोन की कावेरी एन्कलेव निवासी विपिन कुमार ने कर लिया है। नियमानुसार 12 वर्षीय बच्चा बैनामा नहीं कर सकता है। 19 दिसम्बर 2024 को बैनामा कराया गया।

आरोप है कि फर्जी कागजात तैयार कर दीपक के स्थान पर किसी अन्य बालिग व्यक्ति को दीपक बनाकर बैनामा कराया गया। बैनामा कराने के बाद लेखपाल से साठगांठ कर कृषि भूमि का दाखिल खारिज भी करा लिया है। एसीपी मोदीनगर ने मामले की जांच एंटी फ्रांड सेल से कराई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर मोदीनगर पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए हैं। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि इस मामले में विपिन कुमार निवासी ए 17 कावेरी एन्कलेव मोदीपोन मोदीनगर व अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सफेद पोस एवं स्थानीय अधिकारियों के संरक्षण में बेखौफ जारी है खनन का खेल

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

मिट्टी खनन कराने को लेकर स्थानीय अधिकारी व खादीधारी हमेशा सुर्खियों में रहे है।, जो आज भी है, नगर व नेशनल हाईवे पर करोड़ों रुपये अवैध रूप से मिट्टी का खनन हो रहा है,। सुप्रीम कोर्ट व केंद्र और प्रदेश सरकारों ने क्षेत्र में रेत बजरी व मिट्टी के खनन पर पूर्णतः रोक लगा रखी है।

लेकिन यहां खनन माफियाओं के लिए सुप्रीम कोर्ट व केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा रेत बजरी व मिट्टी खनन के रोक का आदेश कोई मायने नहीं रखता है। और ना ही अधिकारियों, व खनन अधिकारियों ने खनन रोक के आदेश को शक्ति के साथ अमल कराने का प्रयास किया। जिस कारण खनन माफिया बिना किसी रोक टोक ओर डर खौफ के क्षेत्र में मिट्टी का खनन खुलेआम कर रहे हैं। नगर क्षेत्र व तहसील क्षेत्रों के गांव मझेड़ा, सैदपुरी, नैनपुरा, कोठरा, पुरैनी, नंदपुर, टॉल टैक्स के निकट आदि दर्जनों गांव में खनन माफियाओं ने नगीना एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदारों तथा हल्का लेखपालों, विभागीय अधिकारियों सहित सत्ता पक्ष के चन्द छूट भैया नेताओं से जबरदश्त सांठगांठ कर रखी है। जिस कारण खनन माफियाओं के ट्रैक्टर ट्राली डंपर आदि मिट्टी से भरे वाहन नगर की सड़कों के साथ - साथ अधिकारियों के दफ्तरों के सामने से सभी दिनभर गुजरते रहते हैं।

जिन्हें कोई भी अधिकारी या पुलिस नहीं रोकती और खनन माफियाओं का मिट्टी से भरा परिचय बिना रोक - टोक और डर के दौड़ता रहता है। खनन माफिया कृषको से सश्ते दामों पर उनके खेत की मिट्टी खरीद लेते हैं। खेतों में जेसीबी मशीनें लगाकर रात दिन कार्य करा कर 10 -10 फुट गहरे मिट्टी खुदवाकर अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनियों का भराव, नगर पालिका ठेकेदारों द्वारा सड़क निर्माण में, स्कूल कालेज भवनो व क्षेत्र में निर्माणाधीन आवासो और मकान स्वामियों से मिट्टी भराव के लिए लाखों लाखों रुपए के ठेके ले लेते हैं। खेतों में गहरे गहरे गड्ढे हो जाने से फसलें प्रभावित हो रही हैं। यदि कोई मकान स्वामी अपने मकान के लिए अपने श्तर से मिट्टी भराव करवाता है। तो उपरोक्त खनन माफिया अपने चहते अधिकारी एवं सत्ताधारी नेताओं से शिकायत कर रुकवा देते हैं।

बल्कि उनका मिट्टी से भराव मे लगा वाहन सीज करा कर अपने श्तर से मिट्टी भराव के लिए मजबूर करते है। नगीना - कोतवाली मार्ग से लेकर मात्र 3 किलो मी. नेशनल हाईवे बगराकोट वाली बाढ़ स्थित सिटी डिग्री कॉलेज के पीछे जो नवनिर्मित नेशनल हाईवे से कुछ गज की दूरी पर सड़क किनारे व नेशनल हाइवे 74 नगीना - धामपुर मार्ग स्थित टॉल प्लाज़ा से लेकर मंझेड़ा पुलिस चौकी तक भारी मात्रा में मिट्टी भराव का कार्य युद्ध श्तर पर चल रहा है।

खनन माफियाओं के सिर पर जब सत्ता के चंद छूट भैया नेताओं और सीनियर अधिकारियों का आशीर्वाद भरा हाथ रखा हो

तो भला उन्हें मिट्टी खनन करने से कौन रोक सकता है। खनन माफिया मिट्टी भरान का कार्य सुबह से ही शुरू करते हैं जो देर रात मिट्टी भराव का कार्य चलता रहता है।

इसके अलावा नगर के चारो और अवैध रूप से काटी जा रही कालोनियों का मिट्टी भराव का कार्य बड़े पैमाने पर चल रहा है। ऐसा नहीं है इतने बड़े मिट्टी भराव की जानकारी अधिकारियों को ना हो लेकिन खनन माफिया अधिकारियों के पैरो को नोटों की गड्डी से बांध देते हैं जिसके वजन से अधिकारी अपनी कुर्सियों से उठते तक नहीं है। और खनन माफिया शासनादेश की धज्जियां खुलेआम उड़ाते रहते हैं। जिसकी किसी भी अधिकारी को चिंता नहीं है।

बल्कि अधिकारियों के साथ - साथ अपने आपको भाजपा नेता कहलाने वाले नेता भी अवैध मिट्टी भरान की ओर से मुंह फेरे हुए हैं। जिससे केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारे बदनाम हो रही है।

हालांकि इस मिट्टी के अवैध भराव कराने की शिकायत समाज सेवी लोगों ने जिलाधिकारी से लेकर प्रदेश के तेजतर्रार मुख्यमंत्री और खनन मंत्री, प्रदेश के सबन्धित कई मंत्रियों के आलावा आला अफसरों को भेज कर की, मिट्टी के अवैध खनन की शिकायत पत्र में अधिकारियों, कुछ छूट भैया नेताओं के साथ साथ क्षेत्र के चन्द मीडियाकर्मियों पर भी गंभीर आरोप लगे हैं।

इस संबंध में जिला खनन अधिकारी से जानकारी करनी चाही तो उन्होंने अपने आप को अवैध मिट्टी खनन कार्यों से अनजान होना बताया। जबकि तहसील मुख्यालय पर बैठे जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी अवैध रूप से तालाब को पाटने और आवाशीय कॉलोनी काटने के उद्देश्य से बिना परमिशन के चल रहा मिट्टी भराव की भनक भी नहीं होना बता रहे हैं।

जबकि हर रोज नगीना और बिजनौर के आला अफसरों का इसी मार्ग से आना जाना लगा रहता है। लेकिन एक भी अधिकारी की निगाहें मिट्टी खनन पर नहीं पड़ रही है यह बात हजम होने वाली नहीं है।

क्योंकि स्थानीय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को बैल बुग्गी और भैंसा बुग्गी से रेत और मिट्टी का खनन कर अपने परिवार की जीविका चला रहे गरीब पर पड़ जाती है। और उन्हें भैंसा बुग्गी सहित थाने या एसडीएम कोर्ट ले जाकर कई - कई दिनों तक खड़ी कर देते हैं या उनसे लगभग 3200 - 3200 रुपये का जुर्माना वसूल कर छोड़ देते हैं। फिर इतने बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध मिट्टी के खनन पर नजर क्यों नहीं पड़ी जबकि पुलिस की डायल 112 की गाड़ियां सड़क किनारे एवं मुख्य चौराहों पर खड़ी रहती हैं क्या मिट्टी से भरे बड़े बड़े ट्राले और डंपर आते जाते उनको भी नहीं दिखाई पड़ते।

बताते चलें कि शासन श्तर से नेशनल हाईवे किनारे वैद्य अवैध कॉलोनियों का कटान नहीं किया जा सकता लेकिन अधिकारियों और छूट भैया नेताओं के इशारे पर अवैध रूप से बिना नक्शा पास कराए कॉलोनिया काटी जा रही हैं, जिनमे करोड़ों रुपए का मिट्टी का भराव कार्य बदश्तूर पर जोरो शोरो पर चल रहा है।

उधर आम जनता में चर्चा है कि नगर क्षेत्र में मिट्टी अवैध खनन बिना अधिकारियों की मिलीभगत से नहीं चलता है और न ही अवैध कॉलोनी तहसील प्रशासन की सांठगांठ से काटी जा रही है अब देखना यह है कि क्या इस भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री योगी बाबा का बुल्डोजर इन अवैध कॉलोनियों सहित अवैध रूप से हो मिटइ खनन माफियाओं पर चलता है या नहीं ?

मकान का ताला तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर की कुम्हारयान कॉलोनी में बुधवार रात को बदमाशों ने मकान का ताला तोड़कर तीस हजार रुपये की नकदी व सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पीड़ति ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नगर की कुम्हारयान कॉलोनी निवासी प्रीतम सिंह बुधवार रात को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए परिवार के साथ बाहर गए थे। देर रात जब वह वापस आए तो मकान के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा पड़ा था और अंदर का सारा सामान बिखरा था। प्रीतम सिंह ने बताया कि बदमाश घर के अंदर रखे तीस हजार रुपए की नकद,सोने चांदी के जेवरात व अन्य कीमती सामान चोरी करके ले गए।

विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला,छह पर केस

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर में दहेज की मांग पूरी ना होने पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति सहित छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मेरठ के दौराला के बफावत निवासी कविता चौधरी की शादी 14 फरवरी 2024 को कस्बा पतला निवासी अमित के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही अधिक दहेज की मांग की जा रही है। आरोप है कि 24 अप्रैल को ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर महिला को घर से निकाल दिया। महिला ने इस संबंध में निवाड़ी थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने पति अमित सहित छह पर रिपोर्ट दर्ज की है।

फोन छीनकर स्कूटी छोड़ भागे बदमाश

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। कौशांबी थानाक्षेत्र में बुधवार रात घर लौट रहे एक युवक से दो स्कूटी सवार बदमाशों ने फोन छीन लिया। बदमाशों को भागता देख युवक ने उनका पीछा किया, जिस पर वह स्कूटी सड़क पर छोड़ पैदल भाग निकले। पुलिस ने स्कूटी बरामद करते हुए शिकायत दर्ज की है। कौशांबी निवासी अभिषेक कुमार विजयराज का कहना है कि बुधवार रात वह रात करीब साढ़े 10 बजे पैदल अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान कौशांबी स्थित आईसीआईसीआई बैंक ब्रांच के पास दो युवक स्कूटी पर आए और उनके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर भागने लगे। बदमाशों को भागता देख युवक ने राश्ते में एक बाइक सवार की मदद लेकर उनका पीछा करना शुरू कर दिया। इस पर आरोपी स्कूटी को तरंग सिनेमा के पास छोड़कर पैदल मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को मामले की सूचना दी है। पुलिस

छेड़छाड़ से परेशान युवती ने खुद को घर में कैद किया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर एक कॉलोनी निवासी युवती ने छेड़छाड़ से परेशान होकर खुद को घर में कैद कर लिया है। पुलिस ने झोलाछाप डॉक्टर पर केस दर्ज किया है। नगर की एक कॉलोनी महिला परिवार के साथ रहती है। महिला का आरोप है कि कॉलोनी में एक युवक डॉक्टर की दुकान चलाता है। महिला का कहना है कि झोलाछाप डॉक्टर बेटी को काफी समय से परेशान कर रहा है। इस संबंध में मुरादनगर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई जा चुकी है। इसके बाद भी आरोपी अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहा है। आरोप है कि डर के कारण युवती एक माह से घर से बाहर नहीं निकली है। एसीपी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आसिफ निवासी अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

किशोरी समेत दो ने फंदा लगा जान दी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी में अलग-अलग स्थानों पर परिजनों से कहासुनी होने पर एक व्यक्ति और किशोरी ने फंदा लगाकर जान दे दी।पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सरस्वती विहार कालोनी में मंगलवार रात 45 वर्षीय संजीव ने गृहक्लेश के चलते पंखे में चुन्नी से फंदा लगा लिया। परिजन उसे लटकता देख फंदे से उतार कर दिल्ली के जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि मृतक शराब का आदि था, परिजन उसे शराब न पीने के लिए बोलते थे। जिसके चलते घर में आए दिन क्लेश होता था। संभवत इसी के चलते घटना को अंजाम दिया हो। वहीं दूसरी ओर गुरुवार दोपहर थाना अंकुर विहार की नसबंदी कालोनी में मां के डाटने से नाराज 14 वर्षीय किशोरी शबाना ने गार्डर में चुन्नी से फंदा लगा लिया। भाई ने मामले की सूचना पुलिस को दी। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

धूमधाम से मनाया गया रिक्शा चालक वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा मजदूर दिवस

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी व ई रिक्शा चालक वेलफेयर एसोसिएशन ने मजदूर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मजदूर भी संगठित होकर बदलाव ला सकते है। गुरुवार को झालू चौराहे के निकट स्थित रिक्शा स्टैंड पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी एवं रिक्शा चालक वेलफेयर एसोसिएशन ने एक कार्यक्रम आयोजित कर मजदूर दिवस मनाया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज का दिन मजदूरों और श्रमिक वर्ग के लोगों को सम्मान देने उनके अधिकारों की रक्षा करने ओर उनके योगदान को याद करने के लिए समर्पित है। उन्होंने का कि आज का दिन हमें यह सिखाता है कि समाज के विकास में मजदूरों की भूमिका कितनी अहम है। उनके योगदान को कभी भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मजदूर चाहे तो संगठित होकर बदलाव ला सकते है। उन्होंने मजदूरों श्रमिकों के कार्य को सराहा और उनका सम्मान करने की अपील की। इस मौके पर कामरेड गुलाम साबिर सिद्दीकी, कामरेड शब्बन कुरैशी, कामरेड सर्वेश सैनी, कामरेड रईस अहमद, कामरेड मौ नसीम, कामरेड मकसूद राणा, जावेद जाट,असद फारूकी, अमीर अहमद, जहीन कुरैशी, दानिश, विजय कुमार, भूरे कुरैशी, बाबू, राजपाल व अन्य लोग मौजूद रहे है।

मैनेजरों ने बेच दिया कंपनी का रिकॉर्ड, प्राथमिकी दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

नगर कोतवाली क्षेत्र में रीजनल मैनेजर, एरिया सेल्स मैनेजर, कार्पोरेट सेल्स मैनेजर ने कंपनी का रिकॉर्ड चोरी करके दूसरी कंपनियों को बेचने का मामला सामने आया है। इस संबंध में कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी ने कोर्ट के आदेश पर धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है।

जीटी रोड स्थित रिछपालपुरी में रहने वाले मनुज जैन ऋषभ इंजीनियरिंग कंपनी पार्टनरशिप फर्म के प्राधिकृत अधिकारी हैं। उन्होंने कोर्ट के आदेश पर सुल्तानपुर जिले के कुल भास्कर ओझा, जिला डरवीर नगर बिहार के कलीगांव निवासी बाबू झा और संगम विहार दिल्ली निवासी हेमंत कुमार के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर नगर कोतवाली में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है।

मनुज जैन का कहना है कि कुल भास्कर ओझा उनकी फर्म में रीजनल सेल्स मैनेजर, बाबू झा एरिया सेल्स मैनेजर और हेमंत कुमार कार्पोरेट सेल्स मैनेजर के पद पर नौकरी करते थे। उन्होंने कार्यों को सुगमता से चलाने के लिए तीनों को लेपटॉप, सिम कार्ड के कंपनी की सीआरएम की आईडी और पासवर्ड भी दिया हुआ था।

सीआरएम पासवर्ड के आधार पर तीनों लोगों के पास कंपनी की बिक्री का रिकॉर्ड, प्रतिस्पर्धी विश्लेषण मूल्य निर्धारण, जानकारी व्यवसायिक लीड्स, ग्राहक पूछताछ संबंधी डाटा रहता था।

टेलीग्राम के द्वारा आरोपियों के पास कंपनी को मिलने वाली नवीनतम लीड्स का डाटा भी उपलब्ध रहता था। मनुज जैन का कहना है कि चार जनवरी 2025 को संगम नाम से दिल्ली में एक आयोजन किया गया था, जिसकी समश्त देखभाल कुल भास्कर ओझा द्वारा की गई थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ट्रेडर्स और अन्य लोग शामिल हुए थे। आयोजन के बाद उनकी फर्म को काफी लीड और ऑर्डर मिले थे, जिसका सारा रिकॉर्ड कुल भास्कर ओझा के पास मौजूद था। मनुज जैन का कहना है कि साजिश के कुल भास्कर ओझा ने 17 जनवरी 2025 तथा बाबू और हेमंत कुमार ने 10 फरवरी 2025 से कंपनी में आना बंद कर दिया। तीनों ने कंपनी छोड़ने से पहले कोई नोटिस भी नहीं दिया। कुल भास्कर ओझा ने सात फरवरी 2025 को कंपनी का लैपटॉप वापस किया, जबकि अन्य सामान वह 22 जनवरी को दे चुका था। इसके अलावा हेमंत कुमार और बाबू झा ने 12 फरवरी 2025 को कंपनी का लैपटॉप वापस किया। मनुज जैन का कहना है कि आरोपियों ने सारा डाटा डिलीट करने के बाद लैपटॉप वापस किया, जिससे कंपनी का भारी नुकसान हुआ है।

आरोप है कि तीनों ने कंपनी का डाटा अन्य दूसरी कंपनियों को बेचकर आर्थिक हाानि पहुंचाई है। मनुज जैन का कहना है कि उन्होंने नगर कोतवाली तथा पुलिस अधिकारियों के कार्यालय में शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके चलते उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ी।

जेपीए कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर बुधवार को तीनों लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

थाना लोनी स्थित मेवला भट्टी गांव में साले के विवाह समारोह में शामिल होने आये जीजा की बुधवार सुबह गांव के मुख्य मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मौत हो गई।

मृतक की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थाना लोनी के मेवला भट्टी गांव निवासी ब्रहमपाल ने बताया कि बुधवार शाम को भतीजे दीपक की बारात पिलखुवा जानी थी।

चचेरे भाई की शादी समारोह में शामिल होने के लिए बहन प्रिया 25 वर्षीय पति मोहित व दो बच्चों के साथ ससुराल काशीराम कालोनी घोड़ी बछेड़ा ग्रेटर नोएड़ा जिला गौतम बुद्धनगर से मंगलवार को आई थी।

उन्होंने बताया कि दामाद ग्रेटर नोएडा में बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर का काम करते है। बुधवार सुबह तीन बजे वह किसी आवश्यक काम के चलते घर जाने के लिए बाइक पर निकले थे।

आरोप है कि गांव से सौ मीटर दूर रोड पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौत हो गई।

सुबह जाग होने पर गांव के लोगों ने घटना की जानकारी मृतक के ससुराल वालों व पुलिस को दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि मृतक की पत्नी की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हरिद्वार पहुंची गाजियाबाद, अगवा बच्चे की तलाश करने आई

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

मसूरी से 29 अप्रैल की शाम को अपहृत हुए छह साल के मासूम का तीसरे दिन भी सुराग नहीं लग सका है। आइसक्रीम विक्रेता बच्चे को ठेली पर ले जाता हुआ कैमरे में कैद मिला है।

पुलिस की एक टीम बच्चे की तलाश में हरिद्वार पहुंची है। मसूरी की जाफर कॉलोनी में इसरार का कहना है कि वह कैब चलाते हैं। दो माह पूर्व उनके पिता का देहांत हुआ था। ऐसे में उनके घर रिश्तेदार व परिचितों का आना-जाना लगा हुआ है। 29 अप्रैल की शाम को उनका छह वर्षीय बेटा इब्राहिम स्कूल से आने के बाद पास में ही मस्जिद में उर्दू पढने गया था।

इसके बाद इब्राहिम घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन करने के बाद उनके द्वारा मसूरी पुलिस को सूचना दी। बच्चे के गायब होने की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तलाश शुरू की। पुलिस की जांच में सामने आया कि बच्चे को अगवा करने के लिए आरोपी अफजाल ने एक हफ्ते पूर्व ही आइसक्रीम बेचने का काम शुरू किया था। बताते हैं कि बच्चे से नजदीकियां बनाने के लिए अफजाल उसे फ्री में आइसक्रीम खिला रहा था।

अफजाल बच्चे को आइसक्रीम की ठेली पर बैठाकर ले जाते हुए कैमरे में कैद मिला। जिसके बाद पुलिस आइसक्रीम बनाने वाली फैक्टरी तक पहुंची तो संचालक ने बताया कि अफजाल ने सात दिन पहले ही आइसक्रीम बेचनी शुरू की थी। उसने अपनी आईडी भी जमा नहीं की थी।

पॉक्सो ऐक्ट के मामले में सजायाफ्ता रहा है आरोपी पुलिस का कहना है कि जो व्यक्ति अफजाल को फैक्टरी पर लेकर आया था, उसके जरिए पुलिस अफजाल के घर तक पहुंची। जहां अफजाल के भाई को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। भाई ने बताया कि अफजाल परिजनों से ज्यादा वाश्ता नहीं रखता और न ही मोबाइल फोन का इश्तेमाल करता है।

पुलिस को पता चला है कि अफजाल पॉक्सो ऐक्ट का सजायाफ्ता कैदी रहा है, लेकिन कोविड के दौरान उसे जेल से रिहा कर दिया गया है। इस संबंध में भी पुष्टि की जा रही है। एसीपी मसूरी लिपि नगायच ने बताया कि भाई ने अफजाल के बारे में कुछ सुराग दिए हैं, जिसके आधार पर पुलिस की एक टीम को कलियर शरीफ भेजा गया है।

बच्चे और आरोपी की तलाश के लिए पोस्टर चस्पा किए गए हैं, साथ ही सुराग देने वाले को पुलिस ने उचित इनाम देने की भी घोषणा की है।

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 45 लाख रुपये ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर इंदिरापुरम निवासी व्यक्ति से 45 लाख रुपये ठग लिए। जालसाजों ने ठगी के लिए नामी कंपनी की फर्जी ऐप का इश्तेमाल किया।

साइबर थाना पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अहिंसा खंड-दो इंदिरापुरम के आशियाना उपवन में रहने वाले पुष्पेंद्र सिंह का कहना है कि 17 फरवरी 2025 को उन्हें धनी ग्रोथ क्लब नाम के एक व्हॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप में 111 सदस्य तथा दो एडमिन थे। एडमिन में एक धानी कम्यूनिटी का लीडर तथा दूसरी प्रिया शर्मा थी।

उन्हें बताया गया कि यह ग्रुप धनी स्टॉक्स लिमिटेड का है, जो सेबी और डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के साथ पंजीकृत है। व्हॉट्सऐप ग्रुप में रोजाना दो बार सदस्यों को स्टॉक की जानकारी दी जाती थी और निवेश प्रदान किया जाता था। स्टॉक की जानकारी अर्जुन रमेश मेहता नाम के विश्लेषक द्वारा दी जाती थी।

पुष्पेंद्र सिंह के मुताबिक 18 मार्च 2025 को अर्जुन रमेश मेहता ने उन्हें व्हॉट्सऐप पर सूचित किया कि वह आईएफईए द्वारा आयोजित वित्तीय

शिखर सम्मेलन प्रतियोगिता में आधिकारिक रूप से भाग ले रहा है। उसने उनसे अपने पक्ष में वोट करने की अपील की तथा साथ ही धनी ऐप से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए धनी सिक्योरिटीज ग्राहक सहायता से संपर्क करने के लिए कहा।

पुष्पेंद्र सिंह का कहना है कि इसके बाद पायल नाम की महिला ने धनी ऐप डाउनलोड करने के लिए उनके व्हॉट्सऐप पर लिंक भेजा। लिंक पर क्लिक करके उन्हें ऐप डाउनलोड कर लिया। ऐप चालू होने के बाद पायल ने उन्हें पैसे निवेश करने के लिए अलग-अलग बैंक खाते उपलब्ध कराए।

पुष्पेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने अपनी पत्नी के नाम से ट्रेडिंग खाता खोला और 31 मार्च 2025 से उन्होंने सवा लाख रुपये से निवेश शुरू कर दिया। आरोपियों ने जाल में फंसाने के लिए उन्हें ऑनलाइन मुनाफा दर्शाया, ताकि वह निवेश जारी रखें। इस तरह 31 मार्च से 18 अप्रैल तक उन्होंने 45.35 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

पीड़ित का कहना है कि शुरूआत में आरोपियों ने उन्हें पैसे निकालने की अनुमति भी दी थी, लेकिन बाद में ऐसा नहीं किया। जब भी वह पैसा निकालने का प्रयास करते तो जालसाज कोई न कोई नियम या शर्त बताकर उन पर और रकम ट्रांसफर करने का दबाव डालते। पैसे खत्म होने पर उन्होंने निवेश से इनकार किया तो 17 अप्रैल को उन्हें एक मेल मिला, जिसमें उनका 20 लाख का लोन स्वीकृत होने का हवाला दिया हुआ था।

पुष्पेंद्र सिंह का आरोप है कि उनसे बिना पूछा यह रकम धनी ऐप में उनकी निवेश राशि में जोड़ दी गई, जबकि 20 लाख की राशि उनके किसी खाते में प्राप्त नहीं हुई। उन्होंने अपना पैसा वापस मांगा तो जालसाजों ने ट्रेडिंग ऐप पर निकासी रोक दी और रकम लेने के लिए 20 लाख 30 हजार रुपये जमा करने का दबाव डालने लगे।

ठकी का पता लगने पर पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

घर बैठे कमाई का लालच देकर पौने 6 लाख रुपये ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

साइबर अपराधियों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर साहिबाबाद निवासी व्यक्ति से पौने छह लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो जालसाज उस पर और रकम ट्रांसफर करने का दबाव डालने लगे।

ठगी का पता लगने पर पीड़ित ने बुधवार को साइबर थाने में केस दर्ज कराया है। साहिबाबाद के सत्यम एनक्लेव में रहने वाले सत्यम कुमार का कहना है कि उन्हें व्हॉट्सऐप पर एक लिंक मिला, जिसमें घर बैठे रिव्यू करके पैसे कमाने का हवाला दिया गया था। उन्होंने लिंक पर क्लिक किया तो ज्योति लामा के साथ उनकी चैट शुरू हो गई।

उसने उनके साथ एक अन्य लिंक साझा किया और यूजर आईडी व पासवर्ड देकर ऑनलाइन काम करने के लिए कहा।

सत्यम कुमार का कहना है कि ज्योति लामा ने उनसे एक टेलीग्राम अकाउंट साझा किया, जो सिद्धार्थ चतुर्वेदी का था। आरोपियों ने बताया कि तीन चरणों में काम पूरा करने के बाद वह रोजाना साढ़े चार हजार रुपये तक कमा सकते हैं।

शुरूआत में ऑनलाइन कार्य पूरा करने पर उन्हें पैसे भी मिले। इसके बाद टेलीग्राम पर हुई चैट में उन्हें एक यूपीआई आईडी दी गई। उसके जरिये निवेश करने पर 50 फीसदी लाभ होने

का दावा किया गया।

उन्होंने निवेश किया तो ऑनलाइन मुनाफा दर्शाया गया। उन्होंने पैसे निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने कहा कि तीन कार्य पूरे करने के बाद ही वह पैसे निकाल सकते हैं। उन्होंने तीन बार निवेश करके पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने गलत प्रकिर्या अपनाई है, लिहाजा उन्हें 3.20 लाख रुपये निवेश करने होंगे। यह रकम ट्रांसफर न करने पर उनकी पिछली राशि जब्त हो जाएगी।

सत्यम कुमार के मुताबिक इस तरह जालसाजों ने अलग-अलग बहानों से उनसे 5.82 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। रकम लौटाने का दबाव डालने पर जालसाजों ने उनसे संपर्क तोड़ दिया, जिसके बाद उन्हें ठगी का पता चला और साइबर थाने में शिकायत दी। एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि मोबाइल और बैंक खातों की मदद से जालसाजों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

युवकों ने महिला के कान के कुंडल और अंगूठी उतरवाई

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

थाना अंकुर विहार की चमन विहार कालोनी में मंगलवार शाम दो युवकों ने एक महिला के साथ टप्पेबाजी कर कान के दो कुंडल और दो अंगूठी उतार ली। घटना को अंजाम देने के बाद युवक महिला को पांच सौ रुपये की नकली नोटों की गड्डी व रुमाल देकर फरार हो गए।

महिला की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दिल्ली सोनिया विहार स्थित जी ब्लाक निवासी महिला सुषमा देवी ने बताया कि वह मंगलवार शाम सात बजे चमन विहार कालोनी स्थित दुकान पर सामान लेने आई थी। आरोप है कि इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और उन्होंने उनके मुंह के सामने रुमाल झाड़ दिया।

उन्होंने बताया कि इसके बाद उनकी सुध बुध खो गई और दोनों युवक उनके हाथ पकड़कर डीएलएफ कट से एमएम रोड तक ले गये। जहां दोनों ने उनके कानों के दोनों कुंडल व दोनों हाथों में पहनी सोने की अंगूठी उतार ली। इसके बाद दोनों उन्हें वापस डीएलएफ कट लेकर पहुंचे और हाथ में पांच सौ रुपये के नकली नोटों की गड्डी थमाकर चले गए।

जनता के द्वार पहुंचे भाजपा - रालोद सांसद चंदन चौहान, सुनी समस्याएं

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

जन समस्याओं को दूर करने के लिए सांसद चंदन चौहान स्वयं चलकर पहुंचे जनता के बीच, सुनी समस्याएं। सांसद चंदन चौहान ने जनता की समस्याओं को शीघ्र ही निश्तारण करने का जनता को दिया आश्वासन।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजनौर रालोद के सांसद चंदन चौहान बृहस्पतिवार को दोपहर के समय नगर पंचायत कार्यालय झालू पहुंचे। जनता दरबार लगाकर नगर क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की सुनी समस्याएं। जन प्रिय सांसद चंदन चौहान ने जनता की सभी समस्याओं का मौके पर ही निश्तारण करने का जनता को आश्वासन दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक कोई जनप्रतिनिधि जनता के बीच नहीं घूमेगा तो उसे जनता की समस्याओं का कैसे पता चलेगा।

उन्होंने कहा कि देश की गठबंधन सरकार आज धरातल पर हर वर्ग एवं हर समुदाय के लोगों के लिए दिन-रात प्रयासरत रहकर काम कर रही है। जिसका सीधा-सीधा लाभ भी जनता को मिल रहा है।

भाजपा के युवा झालू नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी के द्वारा नगर की जन समस्याओं के बारे में भी सांसद चंदन चौहान को अवगत कराया गया। अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी द्वारा उठाई गईसमस्याओं में प्रमुख रूप से झालू के रेलवे स्टेशन को पुन बहाल करने तथा झालू से आवागमन के लिए रोडवेज बस स्टैंड की जन समस्याएं के बारे में उन्हें अवगत कराया गया ।वहीं दूसरी ओर उन्होंने इन जन समस्याओं का निश्तारण करने के लिए जनता को आश्वासन भी दिया।

नगर पंचायत झालू के कार्यालय के प्रांगण में पहुंचे रालोद के सांसद चंदन चौहान का फूल मालाए पहने कर लोकेंद्र चौधरी के नेतृत्व में भव्य स्वागत भी किया गया। जनता दरबार के बीच नगर पंचायत में भारी संख्या में नगर तथा दूर दराज के लोग उपस्थित हुए और सांसद संजय चौहान के विचारों को सुना।

वहीं दूसरी ओर नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी ने कहा कि रालोद के लोकप्रिय सांसद आज हमारे बीच उपस्थित हुए हैं। आगे भी इसी तरह सांसद जी के द्वारा जनता दरबार लगाकर क्षेत्र में लोगों की समस्याओं को समय-समय पर सुनकर उनका निश्तारण भी किया जाएगा।

प्रेस क्लब झालू ने सांसद चंदन चौहान को सोपा ज्ञापन

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

प्रेस क्लब झालू द्वारा नगर के विकास एवं आपसी भाईचारा कायम रखने के उद्देश्य से कुछ समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन क्षेत्रीय सांसद चंदन चौहान को सौंप कर तत्काल उस पर अमल किए जाने की मांग की है।

सांसद चंदन चौहान को दिए गए ज्ञापन पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष लवलेश चौधरी के नेतृत्व में रोडवेज अड्डा निर्माण कराय जाने, रेलवे हाल्ट को पुनह रेलवे स्टेशन में बदले जाने सहित नगर व ग्रामीण अंचल के लिए नगर में एक डिग्री कॉलेज निर्माण कराय जाने की मांग की है। संसद में नगर के पत्रकारों को भरोसा दिलाया कि उनकी सभी मांगों पर गंभीरता से काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र उन्हें उनके मांग पत्र के अनुसार सकारात्मक परिवर्तन नजर आएगा।

बारात लौटने पर दो पक्षों में संघर्ष तीन घायल

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

ग्राम किशनपुर भोगन में गांव से गई बारात लौटने के बाद दो पक्षों में बारात में कहासुनी को लेकर गांव में जमकर लाठी डंडे चले जिसमें एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए इस मामले में एक पक्ष की ओर से 5 लोगों के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत करके पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्राम किशनपुर भोगन से ग्राम खेड़ी जट में बुधवार को बारात गई थी। बारात में राजकुमार व भूपेंद्र में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी गण्यमान्य व्यक्तियों ने मामले को रफा दफा कर दिया था बताया जाता है कि गांव में गुरुवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए जिसमें लाठी डंडे चले एक पक्ष की ओर से लक्ष्मी पत्नी अमरपाल, अमरपाल पुत्र राम चरण, अरुण पुत्र रामकुमार घायल हो गए घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया।

राजकुमार पुत्र रामगोपाल ने भूपेंद्र पुत्र खड़क सिंह, विवेक अनिकेत पुत्र लोकेश मोनू पुत्र ओमपाल के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करके कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष बताया कि राजकुमार की तहरीर पर भूपेंद्र विवेक अनिकेत मानू के खिलाफ संबंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत करके कार्रवाई शुरू कर दी है।

96 ग्राम पंचायत में 2 लाख 15 हजार पेड़ों का होगा रोपण

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

विकासखंड क्षेत्र की 96 ग्राम पंचायतों में कुल 2 लाख 15 हजार 40 पौधे रोपे जाऐंगे।पौधे रोपने के लिए प्रत्येक पंचायत में गड्ढे खोदने के खंड विकास अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिए है।

गुरुवार को विकासखंड के सभागार मे आयोजित समीक्षा बैठक मे खंड विकास अधिकारी प्रताप सिंह ने योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष प्रारंभ होने पर मनरेगा योजना में 1लाख 96 हजार 330 मानव दिवस का लक्ष्य है।

इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए नए कामों को चिन्हित करते हैं लक्ष्य को पूरा करने में पूर्ण सहभागिता करें साथ ही जिन ग्राम पंचायत में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण होना है।

उन जगहों को चिन्हित कर ले ताकि समय पर पैसा मिलने पर उनका निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जा सके तथा जिन ग्राम पंचायत में मॉडल शॉप का कार्य पूरा हो गया है।

उन्हें आवंटन करने के लिए चिन्हित करें साथ ही उन्होंने बताया कि विकासखंड क्षेत्र में परिषदीय स्कूलों में जितनी मिली धनराशि से स्कूलों द्वारा रंगाई पुताई व अन्य कार्यों का अवलोकन करके रिपोर्ट दे इसी क्रम में उन्होंने बताया कि विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम शाहकरमपुर गिलाड़ी ग्राम शेखूपुर लाला नरगदी गन्धु ग्राम प्रधानों द्वारा निशुल्क भूसा दिया गया है।

साथ ही अब तक 125 कुंतल भूसा हो गया है। निशुल्क भूस देने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करें ताकि जिलाधिकारी द्वारा उन्हें ग्रामीणों को सम्मानित कराया जा सके उन्होंने बताया विकासखंड क्षेत्र में 114 प्रधानमंत्री आवास योजना का लक्ष्य था जिसमें 112 का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है शेष दो आवासों को पूरा करने के लिए तेजी से काम करके लक्ष्य को शत प्रतिशत करें।

उन्होंने कहा कि माह मई में छोटे बड़े नालों की तली झाड़ सफाई कराई जाए। उन्होंन बताया कि संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार करें ताकि पात्र व्यक्तियों को समय से योजनाओं का लाभ मिल सके।

बैठक में एडीओ ग्रामीण दीनदयाल एडीओ पंचायत मनोज कुमार एडीओ जाहिद हुसैन केश्वर शर्मा कपिल यादव अंतरिक्ष एडीओ कृषि अनमोल राजकुमार निर्भर तोमर जयवीर सुरेंद्र सचिन अमरदीप राय प्रियांशी शर्मा प्रियंका राजपूत आदि सचिव मौजूद रहे आदि सचिव मौजूद रहे।

पति से मारपीट व जान से मारने की धमकी देने पर महिला समेत 4 पर FIR

एनसीआर टुडे. नहटौर। पति को जान से मारने की धमकी व मारपीट करने वाली पत्नी व उसके पिता व भाई सहित चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला तीरग्रान निवासी मोईद खान ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसकी पत्नी फारिहा रहमान आए दिन उसके साथ व परिवार के लोगों के साथ मारपीट करती रहती है।उसको जान से मारने की धमकी देती है।7 मार्च 2025 को मेरी मां नूर अफसा के साथ मारपीट करते हुए अपने मायके अमरोहा चली गई थी।26 अप्रैल 2025 को अपने पिता मुजीबुर्रहमान भाई हम्माद और एक अन्य कासिफ बेग के साथ घर में आकर घुस गए।उसके व उसकी मां नूर अफसा के साथ मारपीट करने लगे। शोर शराबा होने पर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर उन्हें बचाया।जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

संपादकीय

एक दिन सम्मान साल भर अपमान

हर वर्ष 01 मई को मनाया जाने वाला मजदूर दिवस, श्रमिकों के संघर्ष, बलिदान और अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि समाज की नींव उन हाथों से बनती है जो दिन-रात मेहनत करते हैं। लेकिन क्या हम सच में इन मेहनतकशों को वह सम्मान और अधिकार देते हैं, जिसके वे हकदार हैं? क्या यह सिर्फ एक दिन का प्रतीक बनकर रह गया है या फिर इसका सार्थकता का कार्य पूरे वर्ष में होना चाहिए?

मजदूर दिवस की शुरुआत 1886 में शिकागो, अमेरिका से हुई थी। उस समय श्रमिकों ने 8 घंटे काम के दिन की मांग को लेकर आंदोलन किया। इस संघर्ष में कई श्रमिकों की जान गई, और यह घटना 'हेमार्केट कांड' के नाम से प्रसिद्ध हुई। इसके बाद, 1889 में पेरिस में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में 1 मई को मजदूर दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। भारत में, यह दिन पहली बार 1923 में मद्रास (अब चेन्नई) में मनाया गया। तब से लेकर आज तक, मजदूर दिवस श्रमिकों के अधिकारों और उनके संघर्ष की याद दिलाने का दिन बना हुआ है।

भारत में श्रमिकों की स्थिति अब भी चिंताजनक है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर अप्रैल 2024 में बढ़कर 8.1 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा, भारत में लगभग 43 करोड़ लोग दिहाड़ी मजदूरी या कृषि कार्यों में लगे हुए हैं, जो असुरक्षित और अनौपचारिक श्रमिक माने जाते हैं। यह असुरक्षा उनके जीवन को एक कठिन संघर्ष बना देती है, क्योंकि वे किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा या भविष्य की गारंटी के बिना काम करते हैं।

भारत में श्रमिकों के अधिकारों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मजदूरों की औसत मासिक कमाई 10, 000 से 20, 000 रुपये के बीच है, जो अमेरिकी मजदूरों की तुलना में काफी कम है। इसके अलावा, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और स्थिर रोजगार की कमी है। विशेष रूप से महिला श्रमिकों को समान वेतन, मातृत्व अवकाश और यौन उत्पीड़न से सुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

भारत में लाखों श्रमिकों का पंजीकरण नहीं होता, जिसके कारण वे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते। अगर श्रमिकों का पंजीकरण अनिवार्य किया जाए, तो उन्हें सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकता है। इससे सरकार को श्रमिकों की सही संख्या का भी पता चलेगा और उनके लिए योजनाओं का संचालन और भी बेहतर हो सकेगा।

श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा का विश्तार किया जाना चाहिए। इसमें स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और अन्य योजनाएं शामिल हो सकती हैं। यदि श्रमिकों को इन योजनाओं का लाभ मिलता है, तो उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा आ सकती है। श्रमिकों को कौशल विकास के अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि वे बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकें। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर मिलें, जिससे उनका रोजगार और जीवनश्तर बेहतर हो सके।

महिला श्रमिकों के लिए विशेष सुरक्षा उपायों और समान वेतन की गारंटी दी जाए। इसके लिए विशेष कानूनों और प्रोटोकॉल का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे महिला श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान प्राप्त हो सके। श्रमिकों के लिए प्रभावी कानूनों का निर्माण और उनके अनुपालन की निगरानी करनी चाहिए। अगर श्रमिकों को उनका कानूनी संरक्षण सही तरीके से मिलता है, तो वे अपने अधिकारों का पालन करवा सकते हैं और बेहतर कार्य परिस्थितियों में काम कर सकते हैं।

भारत में श्रमिक आंदोलनों का इतिहास लंबा और संघर्षपूर्ण रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी श्रमिकों ने अपनी आवाज़ उठाई थी। हालांकि, आजादी के बाद भी श्रमिकों की हालत में ज्यादा सुधार नहीं आया। श्रमिक आंदोलनों ने कई बार सरकारों को जागरूक किया है और सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। फिर भी, श्रमिकों की असुरक्षा और अधिकारों की स्थिति में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आया है।

भारत में प्रमुख श्रमिक आंदोलनों में मजदूरों की असुरक्षा, वेतन, और श्रमिक अधिकारों के लिए आंदोलन होते रहे हैं। उदाहरण के लिए, 1970 के दशक में मुंबई के 'गेट वे ऑफ इंडिया' पर हुए श्रमिक आंदोलन ने मजदूरों के हक के लिए आवाज़ उठाई थी। वहीं, 1991 में जब भारतीय अर्थव्यवस्था को खोलने का फैसला लिया गया, तो उस समय भी श्रमिकों के अधिकारों के खिलाफ कई विवाद हुए थे।

मजदूर दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक निरंतर संघर्ष का प्रतीक बनना चाहिए। यह दिन श्रमिकों के संघर्ष, बलिदान और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है। अगर हम वाशतव में मजदूरों के योगदान का सम्मान करना चाहते हैं, तो हमें उनके अधिकारों का पालन करना होगा, उनकी मेहनत का सही मूल्यांकन करना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय कदम उठाने होंगे। श्रमिकों को उनका हक मिलना चाहिए, उनका सम्मान होना चाहिए, और उनका जीवन बेहतर बने। तभी हम सच्चे अर्थों में मजदूर दिवस को सार्थक बना सकते हैं।

इसलिए, हमें सिर्फ एक दिन मजदूरों को सम्मानित करने से ज्यादा, उनके अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करना होगा। यही मजदूर दिवस का असली उद्देश्य है, और यही हमारी जिम्मेदारी भी है।

मानव सभ्यता के विकास में श्रम का योगदान अनमोल

संदीप सृजन

मानव सभ्यता के विकास में श्रम का योगदान अनमोल रहा है। प्राचीन काल से ही मानव ने अपनी मेहनत और बुद्धि के बल पर प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित किया। चाहे वह पाषाण युग में औजारों का निर्माण हो, कृषि क्रांति के दौरान खेती की शुरुआत हो, या औद्योगिक क्रांति के समय मशीनों का विकास, श्रम ने हर युग में सभ्यता को नई दिशा दी।

भारतीय संस्कृति में श्रम को उच्च स्थान प्राप्त है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कर्मयोग की महत्ता बताते हैं, जहां कर्म (श्रम) को जीवन का आधार माना गया है। "कर्मण्येवाधिकारश्ते मा फलेषु कदाचन" का यह संदेश स्पष्ट करता है कि श्रम करना हमारा कर्तव्य है, और इसका महत्व फल की अपेक्षा से कहीं अधिक है।

इसी तरह, भारतीय परंपराओं में कारीगरों, शिल्पियों, और मेहनतकश लोगों को हमेशा सम्मान दिया गया है। श्रम मानव जीवन का आधार है। यह न केवल व्यक्तिगत विकास और आत्मनिर्भरता का स्रोत है, बल्कि समाज की समग्र प्रगति और समृद्धि का भी मूलमंत्र है। श्रम के बिना न तो सभ्यता का विकास संभव है और न ही मानव समाज की उन्नति।

फिर भी, आधुनिक समाज में श्रम के महत्व को पूरी तरह से स्वीकार करने में कमी देखी जाती है। कुछ लोग श्रम को केवल शारीरिक मेहनत तक सीमित मानते हैं, जबकि इसका दायरा इससे कहीं अधिक व्यापक है।

श्रम का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम तक सीमित नहीं है। यह मानसिक, बौद्धिक, रचनात्मक और भावनात्मक प्रयासों को भी समेटता है। एक किसान जो खेतों में दिन-रात मेहनत करता है, एक वैज्ञानिक जो प्रयोगशाला में नए आविष्कारों के लिए कार्यरत है, एक शिक्षक जो विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करता है, या एक माता-पिता जो अपने बच्चों के पालन-पोषण में समय और ऊर्जा लगाते हैं, ये सभी श्रम के विभिन्न रूप हैं। प्रत्येक कार्य, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, समाज के लिए मूल्यवान है।

श्रम का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह मानव को आत्मसम्मान और उद्देश्य प्रदान करता है। जब कोई व्यक्ति अपने प्रयासों से कुछ हासिल करता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह समाज में सकारात्मक योगदान दे पाता है। इसके विपरीत, श्रम के प्रति उदासीनता या अवहेलना न केवल व्यक्तिगत श्तर पर हानिकारक है, बल्कि सामाजिक श्तर पर भी अवनति का कारण बन सकती है।

आधुनिक समाज में तकनीकी प्रगति और स्वचालन ने श्रम के स्वरूप को बदल दिया है। एक ओर जहां मशीनें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव श्रम को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों में यह भ्रांति उत्पन्न हुई है कि श्रम की आवश्यकता कम हो गई है। यह धारणा खतरनाक है, क्योंकि श्रम के बिना कोई भी समाज टिकाऊ ढंग से प्रगति नहीं कर सकता।

साथ ही, आधुनिक समाज में श्रम को सामाजिक श्तर पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कुछ कार्यों को उच्च और कुछ को निम्न माना जाता है। उदाहरण के लिए, एक कॉर्पोरेट कार्यालय में काम करने वाले व्यक्ति को समाज में अधिक सम्मान मिलता है, जबकि एक सफाई कर्मचारी या निर्माण मजदूर के श्रम को कम महत्व दिया जाता है। यह भेदभाव न केवल सामाजिक असमानता को बढ़ाता है, बल्कि श्रम के प्रति लोगों की मानसिकता को भी प्रभावित करता है।

श्रम को समाज में पूर्ण स्वीकृति मिलना बहुत आवश्यक है। जब समाज सभी प्रकार के श्रम को समान रूप से महत्व देता है, तो सामाजिक भेदभाव कम होता है। प्रत्येक व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पेशे में हो, अपने कार्य के लिए सम्मान प्राप्त करता है।

यह सामाजिक एकता को बढ़ावा देता है और समाज में सकारात्मकता का संचार करता है। श्रम ही आर्थिक विकास का आधार है। जब समाज श्रम के महत्व को स्वीकार करता है, तो लोग अधिक मेहनत और लगन से काम करते हैं। इससे उत्पादकता बढ़ती है और अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। विशेष रूप से विकासशील देशों में, जहां मानव संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, श्रम की स्वीकृति और प्रोत्साहन आर्थिक प्रगति को गति दे सकते हैं।

आज की युवा पीढ़ी में कई बार मेहनत के प्रति उदासीनता देखी जाती है। यदि समाज श्रम के महत्व को प्रचारित करता है और मेहनतकश लोगों को सम्मान देता है, तो युवा इससे प्रेरित होंगे। वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। श्रम केवल भौतिक लाभ तक सीमित नहीं है। यह व्यक्ति के नैतिक और आध्यात्मिक विकास में भी योगदान देता है। जब समाज श्रम को महत्व देता है, तो लोग अपने कार्य को कर्तव्य के रूप में देखते हैं, जिससे उनका जीवन अधिक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण बनता है।

श्रम के महत्व को समाज में स्थापित करने और इसे पूर्ण स्वीकृति दिलाने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में बच्चों को श्रम के महत्व के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। उन्हें यह समझाना होगा कि प्रत्येक कार्य, चाहे वह शारीरिक हो या बौद्धिक, समाज के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही, शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि युवा विभिन्न प्रकार के श्रम के लिए तैयार हों। समाज को उन रूढ़ियों को तोड़ना होगा जो कुछ कार्यों को निम्न मानती हैं। इसके लिए मीडिया, साहित्य, और सार्वजनिक मंचों का उपयोग करके सभी प्रकार के श्रम को सम्मान देने का संदेश प्रसारित किया जाना चाहिए। सरकार को श्रमिकों के लिए बेहतर नीतियां बनानी चाहिए, जैसे कि उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, और सामाजिक सुरक्षा। इससे न केवल श्रमिकों का जीवन श्तर सुधरेगा, बल्कि समाज में श्रम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी विकसित होगा।

आज विश्व तेजी से बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, और तकनीकी प्रगति ने श्रम के स्वरूप को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। लेकिन यह समझना महत्वपूर्ण है कि तकनीक श्रम का स्थान नहीं ले सकती, यह केवल श्रम को अधिक प्रभावी और कुशल बना सकती है। भविष्य में, समाज को श्रम के नए रूपों जैसे डेटा विश्लेषण, डिजिटल रचनात्मकता, और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कार्यों को भी स्वीकार करना होगा।

श्रम मानव जीवन और समाज का आधार है। यह न केवल आर्थिक और सामाजिक प्रगति का स्रोत है, बल्कि व्यक्तिगत विकास और आत्मसम्मान का भी आधार है। समाज को श्रम के महत्व को पूर्ण रूप से स्वीकार करना होगा, ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य के लिए सम्मान प्राप्त कर सके और समाज में सकारात्मक बदलाव आ सके।

शिक्षा, नीतिगत सुधार, और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर सकते हैं जहां श्रम को उसका उचित स्थान मिले। आइए, हम सभी मिलकर श्रम के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को बढ़ावा दें, क्योंकि श्रम ही वह शक्ति है जो

संत सूरदास जयंती पर विशेष: भोर के सूर्य की तरह सदैव प्रकाशित और पूजित महाकवि सूरदास

डॉ. मुकेश कबीर

महाकवि सूरदास को हिंदी साहित्य का सूर्य माना जाता है। उनके बारे में एक कहावत बहुत प्रसिद्ध है जो आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा रचित है - 'सूर सूर तुलसी शशि उड़गन केशव दास, और कवि खदयोत सम जहां तहां करत प्रकाश'

हिंदी साहित्य जगत में सर्वश्रेष्ठता को लेकर सूर और तुलसी में हमेशा से एक तुलना, एक चर्चा जरूर रही है और बच्चन जी को छोड़कर सभी महाकवियों ने सूर को सर्वश्रेष्ठ माना है, सिर्फ बच्चन जी ने तुलसी को सर्वश्रेष्ठ माना है। बेशक ज्ञान, भाषा और कला पक्ष की दृष्टि से तुलसी सर्वश्रेष्ठ हैं लेकिन भावपक्ष की बात करें तो सूर का कोई मुकाबला ही नहीं है।

सूरदास जी की सबसे बड़ी खासियत उनकी मौलिकता और भावनात्मक गहराई ही है और यह सब उन्होंने तब लिखा है जबकि वो जन्मांध थे। उन्हें आंखों से दिखाई नहीं देता था लेकिन वे मन की आंखों से देखते थे और जैसा देखते वैसा ही गाते थे और प्रमाणिक काव्य रचते थे।

उनके काव्य की प्रमाणिकता के कारण कई विद्वानों ने तो सूर का जन्मांध होना स्वीकार ही नहीं किया, उनका तर्क है कोई भी जन्मांध व्यक्ति श्रृंगार का इतना सटीक वर्णन कैसे कर सकता है। इस संदर्भ में वैष्णव संप्रदाय में तो एक किस्सा बड़ा मशहूर है कि सूरदास के श्रृंगार और सौंदर्य वर्णन की सटीकता के कारण लोगों को शक होता था कि या तो सूरदास जी अंधे होने का नाटक करते हैं या किसी से श्रृंगार के बारे में पूछकर काव्य रचना करते हैं।

इसी की पुष्टि के लिए एक दिन पुजारी जी के बेटे ने श्रीनाथ जी को कोई श्रृंगार ही नहीं कराया और सिर्फ मोतियों की माला धारण करा दी और साथ ही सूरदास जी से पहले किसी को दर्शन करने की अनुमति भी नहीं दी। लेकिन तभी सूरदास जी का आना हुआ और आते से ही उनकी नजर श्रीनाथ जी के स्वरूप पर पड़ी तो उनको जोर से हंसी आ गई तब पुजारी जी ने उनसे हंसी का कारण पूछा तो सूरदास जी ने तुरंत एक पद सुनाया 'आज हरि देखे नंगम नंगा, बसंहीन छवि उठति तरंगा' इतना सुनते ही पुजारी जी सूरदास जी के पैरों में गिर गए और क्षमा प्रार्थना भी की।

यह किस्सा अक्सर धार्मिक चर्चाओं और भागवत कथाओं काफी सुना सुनाया जाता है। अगर हम केवल साहित्यिक नजरिए से देखें तो भी सूरदास की रचनाओं में अद्भुत गहराई मिलती है। उनका भावपक्ष इतना प्रबल है कि उनको पढ़ते पढ़ते सामान्य जन भी भाव विह्वल जो जाते हैं। सूरदास की भक्ति और भावनात्मक गहराई का ही परिणाम है कि आज बालकृष्ण और लड्डू गोपाल की पूजा घर घर में हो रही है।

आज हमें बालक कृष्ण के दही से सने हुए हाथ और होंठ के जो फोटो देखने को मिलते हैं उसकी सबसे पहली परिकल्पना सूरदास जी ने ही की थी। बालक कृष्ण का चोरी चोरी माखन खाना, या माखन खाते हुए मटकी फैला देना और अपने नन्हे हाथ और नाजुक होंठो को माखन से सना लेना यह सब सूरदास जी की दिव्य दृष्टि की ही देन है, उनसे पहले बालकृष्ण का ऐसा अद्भुत वर्णन किसी ने नहीं किया।

सूरदास जी मन की आंखों से बालक कृष्ण की लीलाएं देखते थे और फिर उनको गाते थे इसीलिए उनको वैष्णव संप्रदाय का तो जहाज भी कहा जाता है। सूरदास ही थे जो वैष्णव ख़ासकर वल्लभ संप्रदाय के मूल भाव को जन जन तक पहुंचा सके इसीलिए अष्टछाप के कवियों में सूरदास जी का सर्वोत्कृष्ट स्थान है, वो न सिर्फ आचार्य बल्लभ के शिष्य थे बल्कि उनके विचार और भाव को शब्दों के जरिए मूर्त रूप भी देते रहे।

इसीलिए आज तक वैष्णव मंदिरों में सूरदास के पद गाए जाते हैं, मंदिरों से ही उनके पद साहित्य में आए और साहित्य से भजन का रूप लेकर मंचों तक आए, आज देश में एक भी ऐसा भजन गायक नहीं हैं जो सूरदास के पद न गाता हो और एक भी कथा वाचक ऐसा नहीं है जो सूरदास जी के पदों के बिना भागवत कथा करता हो।

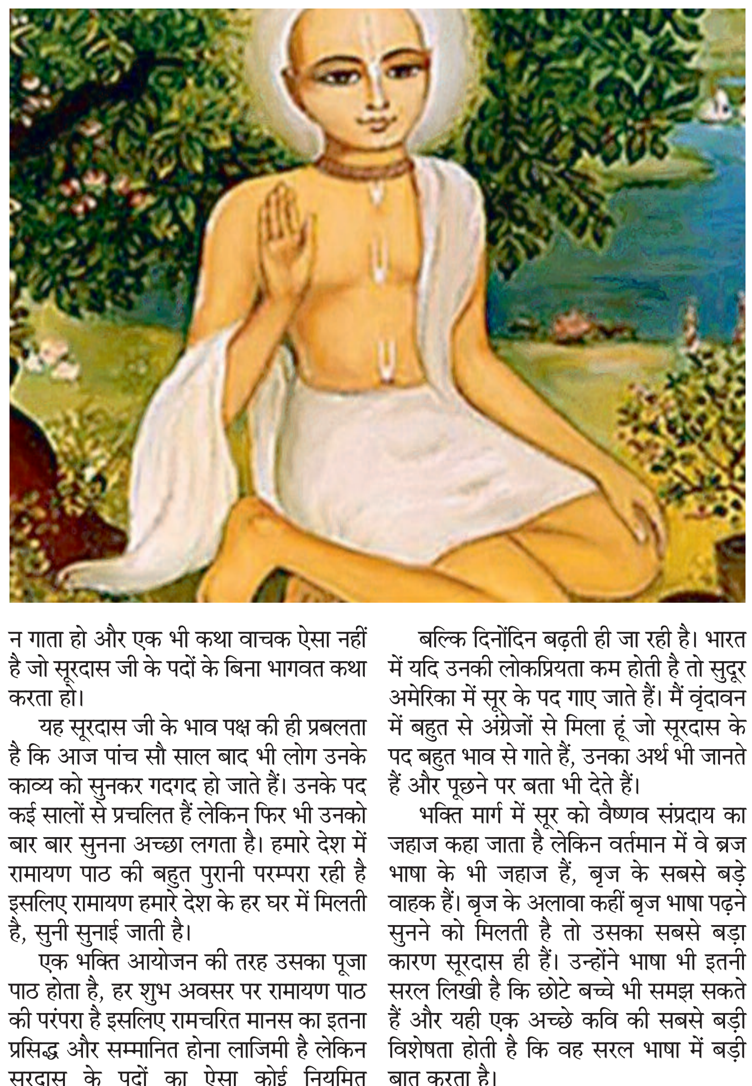

यह सूरदास जी के भाव पक्ष की ही प्रबलता है कि आज पांच सौ साल बाद भी लोग उनके काव्य को सुनकर गदगद हो जाते हैं। उनके पद कई सालों से प्रचलित हैं लेकिन फिर भी उनको बार बार सुनना अच्छा लगता है। हमारे देश में रामायण पाठ की बहुत पुरानी परम्परा रही है इसलिए रामायण हमारे देश के हर घर में मिलती है, सुनी सुनाई जाती है।

एक भक्ति आयोजन की तरह उसका पूजा पाठ होता है, हर शुभ अवसर पर रामायण पाठ की परंपरा है इसलिए रामचरित मानस का इतना प्रसिद्ध और सम्मानित होना लाजिमी है लेकिन सूरदास के पदों का ऐसा कोई नियमित आयोजन नहीं होता फिर भी उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं है।

बल्कि दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। भारत में यदि उनकी लोकप्रियता कम होती है तो सुदूर अमेरिका में सूर के पद गाए जाते हैं। मैं वृंदावन में बहुत से अंग्रेजों से मिला हूं जो सूरदास के पद बहुत भाव से गाते हैं, उनका अर्थ भी जानते हैं और पूछने पर बता भी देते हैं।

भक्ति मार्ग में सूर को वैष्णव संप्रदाय का जहाज कहा जाता है लेकिन वर्तमान में वे ब्रज भाषा के भी जहाज हैं, बृज के सबसे बड़े वाहक हैं। बृज के अलावा कहीं बृज भाषा पढ़ने सुनने को मिलती है तो उसका सबसे बड़ा कारण सूरदास ही हैं। उन्होंने भाषा भी इतनी सरल लिखी है कि छोटे बच्चे भी समझ सकते हैं और यही एक अच्छे कवि की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि वह सरल भाषा में बड़ी बात करता है।

साहित्य जगत में एक कहावत प्रचलित है कि सरल लिखना ही सबसे कठिन है और यह सबसे कठिन काम ही सूरदास ने किया है जो उनकी वर्षों की भक्ति का परिणाम है। सूरदास जी की वर्षों की तपस्या का ही परिणाम है जिन्होंने एक लाख से भी ज्यादा पदों की रचना की थी। उनकी अकेली सूरसागर ही ऐसी है जिसमें एक लाख पद थे, हालांकि अब इसके सिर्फ पांच दस हजार पद ही उपलब्ध हैं।

इसके अलावा भी उनकी अन्य पुश्तकें हैं जिनमें सूरसाराबली और साहित्य लहरी भी शामिल है। आमतौर पर सूर कृष्ण के लीला वर्णन के लिए ही जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इनके अलावा भी रचनाएं की हैं जिनमें नल दमयंती उनकी एक बहुत प्रसिद्ध रचना है। नल दमयंती की कथा अपने आप में बहुत गहरी है, इस कथा में प्रेम की तीव्रतम अभिव्यक्ति है।

इसका वर्णन सूरदास जी ने काव्य रूप में किया है। इसको सूरदास की मेघदूत कहा जा सकता है लेकिन उनकी कृष्ण लीलाओं के मुकाबले इसको लोकप्रियता कम हासिल हुई। ऐसा अक्सर हर कवि के साथ होता है। हर प्रसिद्ध कवि की कुछ रचनाएं ही ज्यादा लोकप्रिय हो पाती हैं फिर चाहे वे सूरदास, तुलसीदास हों केशव, भूषण या फिर बच्चन सभी की एक दो रचनाएं ही प्रसिद्ध हुई हैं बाकी रचनाएं एक प्रसिद्ध रचना के साए में ही ढंकी रहीं। लेकिन इससे बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता कि कवि ने कितना लिखा है।

महत्वपूर्ण यह है कि कवि ने क्या और कैसा लिखा है और जब कैसा लिखा है पर चर्चा की जाए तो सूरदास का कोई मुकाबला नहीं। यही कारण है कि बड़े बड़े विद्वानों ने भी सूर को साहित्य जगत का सूर्य ही माना है, एक ऐसा सूर्य जो हर युग में प्रकाशित है, आज सूर और कृष्ण भक्ति एक दूसरे के पर्याय हो चुके हैं, दुनिया में जब तक सूर साहित्य रहेगा तब तक कृष्ण भक्ति होती रहेगी और जब तक कृष्णभक्ति होगी तब तक सूरदास रहेंगे, बिल्कुल भोर के सूर्य की तरह प्रकाशित और पूजित।

कांटे को कांटे से ही निकालना बेहतर है

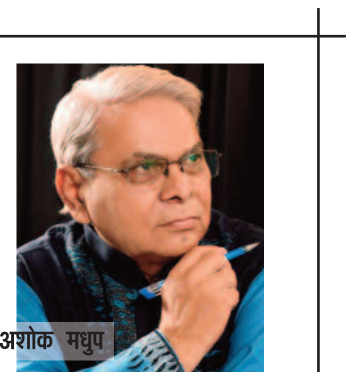

अशोक मधुप

पुराना सिद्धांत है कि कांटा कांटे से निकलता है तलवार या मिजाइल से नही। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिश्तान से भारत बदला ले। पाकिश्तान को तहस नहस कर दे।

पाकिश्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश ,देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया जाए।

इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिश्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नही किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है।भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की।

यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडों सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडों की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया।14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था।

निशाने पर था CRPF के 78 वाहनों का काफिला। विस्फोट में 40 जवान शहीद हो गए थे। दो सप्ताह बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के मिराज-2000 विमानों ने रात के अंधेरे में नियंत्रण रेखा यानी एसओसी पार कर पाकिश्तान के पूर्वोत्तर इलाके खैबर पख्तूनख्वाह के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी।

भारत के तत्कालीन विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा कि इस स्ट्राइक में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, उनको प्रशिक्षण देने वाले, संगठन के बड़े कमांडर और फिदायीन हमलों के लिए तैयार हो रहे जिहादियों को खत्म कर दिया गया। अगले दिन पाकिश्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। भारत ने दावा किया कि डॉग-फाइट में भारतीय वायुसेना के मिग-21 ने पाकिश्तानी वायुसेना के एफ-16 को मार गिराया। पाकिश्तान ने भी मिग-21 को मार गिराया और विंग कमांडर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दबाव में दो दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।बदला लेने की तैयारी ऐसी ही हो ।अपना कम से कम नुकसान हो और दुशमन का बहुत ज्यादा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिश्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिश्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है।

भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिश्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है। पाकिश्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कबूल कर चुके हैं कि पाकिश्तान तीन दशक से आतंकवाद बढ़ाने में लगा है। एक इंटरव्यू में आसिफ ने कहा था, "हम लगभग तीन दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए आंतकवाद फैलाने का यह गंदा काम कर रहे हैं।"

इस सबके बीच अब सरकार ने पाकिश्तान पर सोशल स्ट्राइक कर हमला बोला है। भारत में पाकिश्तान के 16 यूटयूब चैनल बंद किए जा चुकें हैं।आसिफ के एक्स अकाउंट को बैन करने का यह कदम भारत द्वारा 16 पाकिश्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया।

बैन किए गए पाकिश्तानी यूट्यूब चैनलों का सब्सक्राइबर बेस 63 मिलियन है।ये चैनल भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री फैला रहे थे।ब्लॉक किए गए कुछ प्रमुख पाकिश्तानी यूट्यूब चैनलों में डॉन न्यूज, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, जियो न्यूज, समा टीवी और जीएनएन शामिल हैं।

हाल के पहलगांव में हुए इस दुर्दांत हमले के बाद से भारत की जनता में आक्रोश है। साथ ही साथ पीएम मोदी और देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक मंच पर आकर पाकिश्तान को सबक सिखाने की बात कह रही है।

इस हमले के कुछ ही दिन बात पीएम मोदी ने बिहार की धरती मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिश्तान के आकाओं और आतंकियों को ये खुले शब्दों में चेतावनी देती हुए कहा है, 'आतंकियों को ऐसी सज़ा मिलेगी जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी।सब बदला चाहते हैं किंतु जोश मे होश खोना ठीक नही।हमें ऐसा काम करना चाहिए कि हमारा नुकसान कम से कम हो और दुश्मन का ज्यादा से ज्यादा ।

उधर भारत सरकार ने इस घटना का बदला लेने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। अब उसे इसके लिए किसी राजनैतिक से अनुमति की जरूरत नही होगी।

सरकार ने जहां आंतकवाद को प्रश्य देने वाले पाकिश्तान को नुकसान पहुंचाने के लिए सरकार सिंधु जल संधि को स्थागित करने का फैसला लिया है। ऐसे ही और निर्णय भी हो सकतें हैं पाकिश्तान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर साइबर अटैक कराए जा सकते हैं।

तो पाकिश्तान के विरूद्ध खड़े आतंकवादी समूहों की इसी तरह मदद की जा सकती है जैसे पाकिश्तान भारत के विरूद्ध करता है।सिंध और बलूचिश्तान के आजादी के आंदोलन में लगे सशस्त्र समूहों की मदद करके उन्हें मजबूत किया जा सकता है। अफगानिश्तान की तालिबानी सरकार पाकिश्तान से नाराज है कि उसका भी फायदा उठाया जा सकता है। हालात इस तरह के पैदा किए जा सकते है कि बिना सैनिक कार्रवाई किए पाकिश्तान को अपने घर में उलझा दिया जाए। ऐसे हालात पैदाकर दिए जाएं कि उसके विभिन्न टुकड़े हो जाएं।

इस सब के बीच बड़ी खबर यह है कि आम कश्मीरी इस हमले का विरोध कर रहा है।इस हमले की कश्मीर की मशजिदों से निंदा की गई।सबने एक सुर में कहा कि पाकिश्तान को इसका जवाब दिया जाना चाहिए। पिछले कुछ साल में कश्मीर में लौटी रौनक से कश्मीर का कारोबार बहुत तेजी के साथ बढ़ा है।करीब 15 लाख टरिस्ट अब कश्मीर आने लगे हैं।22 अप्रैल की आंतकवादी घटना ने कश्मीर के इस व्यापार को बड़ा धक्का दिया है। ज्ञातव्य है कि इस हमले में 26 सैलानियों की मौत हुई है।

पहलगाम में आंतकी हमले के बाद देश में गुस्सा है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिश्तान से भारत बदला ले। पाकिश्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। देश की जनात इस समय जोश में है किंतु जोश में हमें होश नही खोना है। हमारी कोशिश ये हो कि बिना युद्ध के पाकिश्तान से बदला ले लिया लाए।उसे विभिन्न भाग में तोड़ दिया जाए। हमला करने वाले कही भी जाकर छुप जाए इसे इस्राइल के गुप्तचर संगठन मौसाद की तर्ज पर वहीं जाकर मारा जाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

अजय राय बोले

जाति जनगणना इंडिया गठबंधन की जीत, राहुल गांधी के दबाव के बाद सरकार ने लिया निर्णय

प्रयागराज, एजेंसी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना का निर्णय इंडिया गठबंधन की जीत है। गठबंधन के नेता राहुल गांधी द्वारा इसको लेकर लगातार सरकार पर दबाव बनाया जा रहा था, इसी दबाव पर सरकार ने जाति जनगणना का निर्णय लिया है। अजय राय नैनी में दंपती की हत्या के बाद उनके परिजनों से मिलने पहुंचे थे। केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना का निर्णय

इंडिया गठबंधन की जीत है। गठबंधन के नेता राहुल गांधी द्वारा इसको लेकर लगातार सरकार पर दबाव बनाया जा रहा था, इसी दबाव पर सरकार ने जाति जनगणना का निर्णय लिया है। उक्त बातें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बृहस्पतिवार को नैनी में कहीं। वह अवंतिका आवास योजना नैनी में सोमवार को बुजुर्ग दंपति की हत्या के बाद उनके परिजनों से मुलाकात करने के लिए गए थे। परिजनों से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से रूबरू होते हुए अजय राय ने कहा पुलिस द्वारा घटना का किए गए खुलासे से परिजन संतुष्ट नहीं है। वह मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं। इस दौरान पहलगाम में हुआ आतंकी हमले पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद और आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। पूरा देश सरकार के निर्णय के साथ है।

यूपी में युवाओं के लिए खुला नौकरियों का पिटारा, यहां होगा रोजगार महाकुंभ का आयोजन

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में रोजगार महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। ऐसे में बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा मौका है। वृहद रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाले रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन करा सकते है।

सरकार काशी में रोजगार महाकुंभ का आयोजन करने जा रही है। वृहद रोजगार मेले का आयोजन तीन मई को 2 बजे से चिरईगांव, ब्लॉक के खण्डेश्वरी बाबा इंटर कॉलेज के बगल के मैदान में होगा। इस मौके पर पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को उप्र भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं के अंतर्गत लाभ वितरण किया जाएगा और सभी निर्माण श्रमिकों के लिए श्रमिक पंजीयन नवीनीकरण कैंप एवं जागरूकता हेतु विशाल कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में भी संविदा पर नौकरी पाने का अवसर है। रोजगार मेले में सात हजार से अधिक युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य है। रोजगार मेले में अधिकतम सालाना सैलरी तीन लाख तक होगी। वाराणसी क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के रोजगार मेला प्रभारी दीप सिंह ने जानकारी दिया कि वृहद रोजगार मेले में 40 से अधिक बहुराष्ट्रीय व राष्ट्रीय कंपनियां प्रतिभाग करेगी। प्रतिभाग करने वाले रोजगार संगम पोर्टल पर और मेले भी पंजीयन करा सकते है। एल एंड टी कंपनी ,इफको ,एसबीआई ,पीएनबी,बैंक ऑफ बड़ौदा ,होटल ताज ,टाटा मोटर्स, महिंद्रा,टीवीएस,उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक,ओरबेल इलेक्ट्रॉनिक्स ,आरके सोलर ,डिक्सन इंटरनेशनल नोएडा ,एसआईएस सिक्योरिटी ,राष्ट्रीयकृत बैंक,ऑटोमोबाइल कंपनी, सिक्योरिटी सलूशन कंपनी, टेक्सटाइल, फुटवियर, सर्विस सेक्टर, रियल एस्टेट, सेल्स एंड मार्केटिंग, आईटी सॉफ्टवेयर, एजुकेशन, जैसे कई सेक्टर से जुड़ी प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी।

गंगा एक्सप्रेसवे पर आज उतरेंगे लड़ाकू विमान

वायुसेना दिखाएगी ताकत, सीएम रहेंगे मौजूद

शाहजहांपुर , एजेंसी। शाहजहांपुर जिले के लिए दो मई यानि शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक होने वाला है। इस दिन पहली बार जिले की जमीन पर लड़ाकू विमान उतरेंगे। जलालाबाद में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनाई गई हवाई पट्टी पर इनकी लैंडिंग होगी। वायु सेना अपने शौर्य का प्रदर्शन करेगी। इस दौरान सीएम योगी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

शाहजहांपुर जिले में पहली बार दो मई को राफेल, मिराज और जगुआर लड़ाकू विमान उतरेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही सैकड़ों लोग इसके साक्षी बनेंगे। नाइट लैंडिंग शो के कारण कटरा-जलालाबाद मार्ग दो मई को शाम सात बजे से रात दस बजे तक पूरी तरह से बंद रहेगा। इससे पहले दो मई को प्रातः 8 बजे से वायुसेना की ओर से एफएलसी प्रारंभ होगी। सुबह 9:45 बजे से 10:30 बजे तक वायुसेना के लड़ाकू विमानों द्वारा एयर शो का आयोजन किया जाएगा। जलालाबाद के गांव पीरू के पास स्थित गंगा एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर दो और तीन मई को होने वाले भारतीय वायुसेना अभ्यास की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

बुधवार को डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह और एसपी राजेश द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। डीएम ने निराश्रित गोवंश प्रबंधन, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था एवं स्कूली बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। धूल-मिट्टी उड़ने से रोकने के लिए पानी का छिड़काव कराने सहित अन्य व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

डीएम ने बताया कि नाइट लैंडिंग शो के कारण कटरा-जलालाबाद मार्ग दो मई को शाम सात से रात 10 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगा। लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करेंगे। करीब ढाई सौ कैमरों से निगरानी की जाएगी। नाइट लैंडिंग के लिए हवाई पट्टी पर लाइटिंग की व्यवस्था की गई है।

डीएम ने कैंप कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर वायुसेना अभ्यास की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्कूली बच्चों, एनसीसी, स्काउट गाइड और जनप्रतिनिधियों के बैठने की व्यवस्था, वाहन पार्किंग, पानी टैंकर, मोबाइल टॉयलेट, सफाई व्यवस्था पर चर्चा की। अधिकारियों को समय से सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मुख्यमंत्री के संभावित आगमन के दृष्टिगत सभी तैयारियां गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित की जाएं।

हवाई पट्टी के किनारे स्विस कॉटेज तथा उसके पास ही जर्मन हैंगर का निर्माण किया जा रहा है। यहां मुख्यमंत्री सहित कुछ विशिष्ट लोग ही मौजूद रहेंगे। मीडिया सहित अन्य पास धारकों के बैठने की व्यवस्था हवाई पट्टी की फेंसिंग के बाहर की गई है। वायु सेना भी लैंडिंग से जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्य पूरे कर रही है। डीएम ने स्विस कॉटेज को पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए, ताकि मुख्यमंत्री को एयर शो को देखने में कोई दिक्कत न हो।

जर्मन हैंगर में दो से ढाई सौ लोगों के बैठने की जगह होगी, जिनमें स्काउट गाइड व एनसीसी से जुड़े बच्चों के अलावा हवाई पट्टी के निर्माण में लगे रहे मजदूरों को बैठाने की तैयारी है। यहां अडानी ग्रुप के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। डीएम ने वायु सेना अफसरों से भी उनकी प्राथमिकता पूछीं।

वायु सेना के अधिकारी राजीव रंजन ने बताया कि जिन विमानों का लैंडिंग का अभ्यास कराया जाएगा। इसे एक मई को फाइनल किया जाएगा। डीएम ने छुट्टा पशुओं को लेकर मदनापुर व जलालाबाद के बीडीओ को कड़े निर्देश दिए। कहा कि हवाई पट्टी के पांच किलोमीटर के क्षेत्र में छुट्टा पशु नजर नहीं आने चाहिए। कैमरे लगाने की व्यवस्था अभी तक पूरी न होने पर भी डीएम ने नाराजगी जताई। सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह, एडीएम प्रशासन संजय कुमार पांडेय, एसपी राजेश द्विवेदी मौजूद रहे।

बाग में मिला मजदूर का शव, सिर और शरीर पर मिले चोट के निशान

बाराबंकी एजेंसी। बाराबंकी में ईंट भट्ठा मजदूर का शव बाग में पड़ा मिला। उसके सिर और शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। वह साथी के साथ मेला देखने गया था। इसके बाद नहीं लौटा। लोगों में प्रेम-प्रसंग में हत्या करने की चर्चा है। पुलिस साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। यूपी के बाराबंकी में बुधवार रात एक ईंट भट्ठा मजदूर का शव संदिग्ध हालात में बाग में पुआल के ढेर में पड़ा मिला। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। मृतक पहचान प्रत्यूष (22) निवासी मांडव सिली, थाना नयापारा, जनपद नयापारा (उड़ीसा) के रूप में हुई है। घटना रामनगर थाना क्षेत्र के ददौरा गांव की है। यहां प्रत्यूष अपने साथी छोटू मांझी के साथ गांव में चल रहा मेला देखने गया था। रात 9 बजे तक वह वापस नहीं लौटा। इस पर घरवालों ने खोजबीन शुरू की। खोजबीन के दौरान रात करीब 9:30 बजे उसका साथी छोटू भागते हुए आया। छोटू ने बताया कि गांव से करीब 500 मीटर दूर एक बाग में प्रत्यूष का शव पड़ा है।

अलग-अलग आरोपों में 15 डॉक्टरों पर कार्रवाई, नशा करने में निलंबित

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अलग-अलग आरोपों में 15 डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कोई नशा करने में निलंबित हुआ तो कोई प्राइवेट प्रैक्टिस करने के आरोपों में फंसा है। आगे पढ़ें और जानें पूरी खबर विस्तार से...

उत्तर प्रदेश में ड्यूटी के समय नशा करने व राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिलचस्पी न दिखाने समेत अन्य आरोपों में मऊ स्थित सीएचसी रतनपुरा स्थानांतरणाधीन सीएचसी मझवारा के अधीक्षक डॉ. भैरव कुमार पांडेय को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें आजमगढ़ के अपर निदेशक मंडल कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इसके अलावा 14 अन्य डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर की गई है।

इसी तरह भदोही के ज्ञानपुर स्थित महाराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय में तैनात फिजीशियन डॉ. प्रदीप कुमार यादव के खिलाफ प्राइवेट प्रैक्टिस की शिकायत मिली थी। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर उनकी दो वेतन वृद्धियां स्थायी रूप से रोक दी गई हैं। वहीं, स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील वर्मा पर वित्तीय अनियमितत्ता के गंभीर आरोप लगे हैं। यह आरोप औरैया में चिकित्साधिकारी रहने के दौरान के हैं। इस संबंध में निदेशक (प्रशासन) को जांच के आदेश दिए गए हैं। साथ ही आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए गए हैं। इसके अलावा पांच अन्य चिकित्साधिकारियों के खिलाफ भी डिप्टी सीएम ने प्रमुख सचिव को विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इन डॉक्टरों पर रोगियों की चिकित्सा में लापरवाही, अनधिकृत रूप से अनुपस्थिति, अनुशासनहीनता शामिल है।

इनमें कुशीनगर कप्तानगंज सीएचसी के डॉ. रितेश कुमार सिंह, कानपुर नगर स्थित केपीएम नगरीय पीएचसी में तैनात डॉ. दीप्ती गुप्ता, गोरखपुर गोला सीएचसी के डॉ. तनवीर असलम अंसारी, मैनपुरी बरनाहल सीएचसी की दंत शल्यक डॉ. अकांक्षा पनवार व हरदोई कछौना सीएचसी की डॉ. रखशिंदा नाहिद शामिल हैं।

डिप्टी सीएम ने दो लापरवाह चिकित्साधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें ललितपुर के जखौरा सीएचसी के अधीक्षक डॉ. समीर प्रधान और बुलंदशहर सीएमओ के अधीन डॉ. पूनम सिंह शामिल हैं।

60 जिलों में आंधी और बारिश की चेतावनी, वज्रपात का भी अलर्ट

लखनऊ एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले एक हफ्ते तक गरज-चमक संग बूंदाबांदी और तेज हवाओं का दौर देखने को मिलेगा। इन झोंकेदार हवाओं की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है। बारिश और हवाओं के असर से अधितम तापमान में अभी और गिरावट देखने को मिलेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर एक शुष्क रेखा मौजूद है। यह केरल तक जा रही है। इसके अग्रभाग के प्रभाव में पूरा उत्तर प्रदेश आ रहा है। साथ ही एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त पूर्वा हवाओं और दक्षिणी-पश्चिमी हवाओं के आपस में समागम होने के साथ ही चक्रवाती परिसंचरण के परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश में अगले एक सप्ताह के लिए मौसम प्रभावित रहने वाला है।

उप राष्ट्रपति का लखनऊ दौरा

उत्तर प्रदेश आज उत्तम प्रदेश है, जगदीप धनखड़ बोले- सीएम योगी इसके सारथी हैं

लखनऊ, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक के लेखकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभी मुझे भी राज्यपाल ने कहा कि आपको भी मुफ्त में किताब नहीं मिलेगी। मुझे कोई चीज मुफ्त में लेना नहीं पसंद है। मैंने बहुत पहले चुनौती से सात फेरे ले लिए। मुझे चुनौती के साथ रहने की आदत है।

राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक चुनौतियां मुझे पसंद हैं के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया।

इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आनंदी बेन पटेल नाम ही काफी है। जिस प्रदेश में वह शिक्षक रहीं, मंत्री रहीं और मुख्यमंत्री रहीं। आज उस प्रदेश का स्थापना दिवस है। आज श्रमिक दिवस भी है। इस दिन को उनके जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन रखा गया। यह कितना सोच समझकर किया गया होगा। आनंदी बेन इतनी सरल नहीं हैं, जितनी दिखती हैं।

उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश है। सीएम योगी को युवा कहा जा सकता है। आज युवा की परिभाषा समझ नहीं आती है। यूपी आठ साल बेमिसाल के लायक है। यहां महाकुंभ सबसे बड़ा आयोजन हुआ। इसमें 60 करोड़ से ज्यादा लोगों का आना और सफलतम आयोजन होना, सदियों तक याद रहेगा।

सीएम उत्तम प्रदेश के सारथी हैं। आपका भी आकलन आसान नहीं है। आठ साल में यूपी को बिना टैक्स के ही 12 लाख करोड़ से 30 लाख करोड़ तक ले गए। यह हर अर्थशास्त्री के लिए अचंभा है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। भारत के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे यहां है। आपके यहां छह शहरों में मेट्रो है।

न घोड़ी न बैंडबाजा, इंजीनियर दूल्हे ने निकाली ऐसी बारात

देखने वालों की लग गई भीड़ दुल्हन भी हुई इम्प्रेस

झांसी, एजेंसी। आधुनिकता के युग में आधुनिक संसाधनों का उपयोग करना मानव जीवन की शैली में शामिल है परंतु इस युग में भी कुछ लोग ऐसे हैं जो पुरानी परम्पराओं को आज भी कायम रखे हैं। दुल्हन की ऐसी विदाई देख लोग अचंभित रह गए। इंजीनियर दूल्हा अपनी शिक्षिका दुल्हन को बैलगाड़ी से विदा कराकर ले गया। मामला बुधवार (30 अप्रैल) की सुबह का है। झांसी के वीरांगना नगर के एक विवाह घर में 29 अप्रैल (मंगलवार) को एक विवाह कार्यक्रम था। चिरगांव के ग्राम जरयाई निवासी संतोष कुमार विश्वकर्मा के बेटे इंजीनियर अभिजीत का विवाह मध्य प्रदेश के जिला अशोकनगर के ग्राम मुनावली निवासी शिक्षक रामगोपाल विश्वकर्मा की शिक्षिका पुत्री बबली विश्वकर्मा से हुई। बबली मध्य प्रदेश के एक सरकारी विद्यालय में कार्यरत हैं। बुधवार की सुबह जब विदाई समारोह हुआ तो उनकी विदा कार या किसी हेलीकॉप्टर से नहीं, पुरानी परंपराओं के अनुसार बैलगाड़ी से हुई। सबसे खास बात यह रही की दूल्हे के पिता संतोष कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे का विवाह बिना दान-दहेज के किया है। संतोष इस बात से चिंतित दिखे कि भारतीय परम्परा नष्ट हो रही है। भारतीय संस्कृति में किसान को देवता माना जाता था। यह कृषि प्रधान देश है तो संसाधनों का सम्मान भी होना चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने जब अपने परिवार के समक्ष दुल्हन की विदायी का प्रस्ताव बैलगाड़ी से कराने का रखा, तो सभी ने इसे मान लिया।

पाकिस्तान की उलमा काउंसिल पर भड़के बरेलवी मौलाना, कहा- गीदड़ भभकी में नहीं आने वाला है मुसलमान

बरेली, एजेंसी। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि पाकिस्तान उलमा काउंसिल को हम मुंहतोड़ जवाब देना जानते हैं। भारत के उलमा और मुसलमान देश के साथ मजबूती से खड़े हैं और भविष्य में भी खड़े रहेंगे। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने उलमा काउंसिल पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया। मौलाना ने कहा कि भारत का मुसलमान यहां के तमाम धार्मिक लोगों के साथ मिल-जुल कर रहता है। उलमा काउंसिल पाकिस्तान की गीदड़ भभकी से भारत का मुसलमान प्रभावित होने वाला नहीं है। कश्मीर भारत का अटूट हिस्सा है। कुछ वर्षों में वहां आतंकवादी गतिविधियां बहुत कम हुई हैं। केंद्र सरकार ने कश्मीरी अवाम के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में वार्ता का सिलसिला जारी रखा। इसी वजह से कश्मीर की अवाम ने खूब सहयोग भी किया। यही वजह है कि आज कश्मीर की जनता अमन-शांति चाहती है। वहां के लो आतंकवाद से उब चुके हैं। शांति के रास्ते पर चल रहे हैं।

मौलाना बरेलवी ने देश के मुसलमानों और खासतौर पर मस्जिद के इमामों से अपील की है कि जुमे की नमाज के बाद सामूहिक तौर पर देश की एकता, अखंडता और दुश्मनों को पराजित करने के लिए दुआ करें। जुमे के दिन को यौमे दुआ के तौर पर मनाएं। इमाम अपनी तकरीरों के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ अवाम को बताएं। ये भी बताएं कि इस मुश्किल घड़ी में दुश्मन का मुकाबला करने के लिए एकजुट रहें। हिंदू और मुसलमानों के दरम्यान दरार डालने वाले लोगों के बहकावे में न आएं।

इंतजामिया के कब्जे में अभी भी है नगर निगम की 50 बीघा जमीन, खाली कराने की चल रही तैयारी

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ नगर निगम ने एएमयू के कब्जे से 80 साल पुरानी 41 बीघा जमीन मुक्त कराई। नगला पटवारी में गाटा संख्या 63 में 20 हेक्टेयर यानी 18 हजार वर्गमीटर और गाटा संख्या 65 में 30 बीघा यानी 27 हजार वर्ग मीटर जमीन अभी भी एएमयू के कब्जे में है। इस जमीन की लागत करीब डेढ़ अरब रुपये बताई जा रही है।

अभी भी अलीगढ़ नगर निगम की 50 बीघा जमीन एएमयू के कब्जे में है। इस भूमि को मुक्त कराकर नगर निगम अपने स्वामित्व में लेने को प्रयासरत है। निगम का भू संपत्ति विभाग अभिलेख एकत्रित कर इस जमीन को भी कब्जा मुक्त कराने में जुट गया है।

शहर के क्वार्सी थाना क्षेत्र के नगला पटवारी में नगर निगम की करीब 90 बीघा जमीन है। जिस पर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) का 1945 से कब्जा है। यह जमीन रही तो निगम के नाम मगर इसका उपयोग निगम नहीं कर रहा है। अब निगम ने अपनी सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने का अभियान शुरू किया। इसमें एमएयू के कब्जे वाली नगला पटवारी की जमीन को मुक्त करा लिया गया।

मगर यहीं नगला पटवारी में ही गाटा संख्या 63 में 20 हेक्टेयर यानी 18 हजार वर्गमीटर और गाटा संख्या 65 में 30 बीघा यानी 27 हजार वर्ग मीटर जमीन अभी भी एएमयू के कब्जे में है। इस जमीन की लागत करीब डेढ़ अरब रुपये बताई जा रही है। भू संपत्ति विभाग के विजय गुप्ता ने बताया कि एएमयू के कब्जे से नगर निगम की सभी जमीनों को मुक्त कराया जाएगा।

एससी-एसटी आयोग के अध्यक्ष ने दिए एफआईआर के निर्देश

बाबा साहब के साथ अखिलेश के चेहरे के कोलाज का मामला

लखनऊ एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ बाबा साहब के चेहरे का कोलाज बनाने के मामले में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, मामले में कार्रवाई से अवगत कराने का भी निर्देश दिया गया है।

अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने बाबा साहब के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चेहरे का कोलाज लगाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त लखनऊ को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि वे दोषियों के विरुद्ध एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करें। साथ ही की गई कार्रवाई से आयोग को 5 मई तक अवगत कराएं। रावत ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सपा की लोहिया वाहिनी विंग की होर्डिंग में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर

उस हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाना बाबा साहब का घोर अपमान और एक निंदनीय कार्य है। यह एससी-एसटी की आस्था के साथ खिलवाड़ है। बाबा साहब का यह अपमान यह समाज सहन नहीं करेगा। सपा ने हमेशा बाबा साहब और दलितों का अपमान किया है। सपा को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। डॉ. भीमराव आंबेडकर की फोटो से छेड़छाड़ के मामले को लेकर बुधवार को भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर पड़े। कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला फूंककर विरोध जताया। शहर के आंबेडकर चौराहा स्थित बाबा साहब की प्रतिमा के सामने भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप की अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन किया गया।

भाई आजकल उम्र छोटी करके क्रिकेट भी खेलने लगे

● वैभव सूर्यवंशी पर बॉक्सर विजेंदर सिंह ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़कर पूरे क्रिकेट जगत को चौंका दिया और इतिहास रच दिया। वैभव की इस पारी के बाद क्रिकेट के बड़े-बड़े दिग्गजों ने जहां उनकी तारीफ की तो वहीं कुछ लोग उनकी उम्र के लेकर भी संदेह में थे। अब भारत के लिए ओलंपिक में ब्रांज मेडल जीत चुके बॉक्सर विजेंदर सिंह ने भी इस युवा खिलाड़ी पर अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की। अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में विजेंदर सिंह ने व्यंग करते हे पूछा कि क्या लोगों ने क्रिकेट खेलने के लिए अपनी उम्र कम करनी शुरू कर दी है। विजेंदर का यह पोस्ट वैभव द्वारा खेली गई ऐतिहासिक पारी के ठीक दो दिन बाद आया है और इसलिए ये माना जा सकता है कि वो राजस्थान रॉयल्स के इस नन्हें स्टार बल्लेबाज के बारे में बात कर कर रे हैं। विजेंद्र ने लिखा, भाई आज कल उम्र छोटी करके क्रिकेट में भी खेलने लगे। आपको बता दें कि खिलाड़ियों की उम्र को छोटी करके खेलने की घटना पहले कई बार सामने आ चुकी है। विजेंदर ने शायद उसे देखते हुए अब ऐसा कमेंट किया। आपको बता दें कि वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 37 गेंदों पर 7 चौकों और 11 गगनचुम्बी छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। वह टी20 क्रिकेट और आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था और यह आईपीएल के इतिहास में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक था। यह आईपीएल में क्रिस गेल के आईपीएल 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 30 गेंदों में शतक लगाने के बाद दूसरा सबसे तेज शतक भी था।

वैभव सूर्यवंशी अब आईपीएल 2025 के 50वें मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के मैच में एक्शन में नजर आएंगे। वैभव चोटिल संजू सैमसन की जगह टीम में आए हैं। वैभव ने अब तक यशस्वी के साथ मिलकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है और टीम का भरोसा भी जीता है।

पंजाब किंग्स को झटका, मैक्सवेल आईपीएल से हो सकते हैं बाहर

● इन प्लेयर्स में विकल्प तलाश रहे पोंटिंग

चेन्नई, एजेंसी। पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल की ऊंगली में फ्रेक्चर हो गया है और वह आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो सकते हैं। मैक्सवेल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में चोट लगी जिसमें वह सात रन बनाकर आउट हो गए थे। उनकी जगह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कल रात को सूर्यांश शेडगे ने खेला जिसमें पंजाब को चार विकेट से जीत मिली।

मैक्सवेल के साथी ऑस्ट्रेलियाई और पंजाब किंग्स के क्रिकेटर मार्कस स्टोइनिस ने कहा, 'बदकिस्मती से मैक्सवेल की ऊंगली में फ्रेक्चर हो गया है। उसे लगा नहीं था कि चोट इतनी गंभीर होगी लेकिन यह है। उसका स्कैन कराया गया और नतीजा अच्छा नहीं है। लगता है कि वह अब आगे इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेगा।

पंजाब के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, 'हम विकल्प पर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा, 'अभी हमें कुछ मैच और खेलने हैं। अभी हम उपलब्ध खिलाड़ियों में से ही विकल्प तलाश रहे हैं। हमारे पास अजमतुल्लाह उमरजइ, आरोन हार्डी और जेवियर बार्टलेट है। हम हालात के अनुरूप टीम संयोजन बनाते हैं।

प्लेऑफ से बाहर होने के बाद धोनी ने बताई टीम की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सीजन में अब तक तो कुछ भी अच्छा नहीं घटा है। ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद एमएस धोनी टीम के कप्तान बनाए गए, लेकिन उनके कप्तान बनने के बाद भी टीम के खराब प्रदर्शन पर कोई फर्क नहीं पड़ा और टीम को एक के बाद एक लगातार हार मिलती रही। सीएसके को अब इस सीजन के 10वें लीग मैच में भी पंजाब किंग्स के हाथों 4 विकेट से हार मिली। हालांकि इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का स्कोर बुरा नहीं था और इस टीम ने 190 रन बनाए थे, लेकिन अपने घर में यानी चेपक में ये टीम इस स्कोर को डिफेंड करने में कामयाब नहीं हो पाई। पंजाब से मिली हार के बाद सीएसके अब प्लेऑफ की होड़ से आधिकारिक तौर पर बाहर हो चुकी है और इस टीम के पास मौका है कि अगले 4 मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंकतालिका में अपनी स्थिति को सुधारे। सीएसके को पंजाब ने जैसे ही हराया वो इस टीम का इस सीजन में घरेलू मैदान पर 5वीं हार थी। इसके बाद टीम के कप्तान एमएस धोनी ने पंजाब के खिलाफ मिली हार का कारण गिनाया।

धोनी ने टीम की बैटिंग और फील्डिंग पर उठाए सवाल

धोनी ने हार के बाद कहा कि मुझे लगता है कि बल्लेबाजी, हां पहली बार हमने बोर्ड पर पर्याप्त रन बनाए, लेकिन क्या यह पार स्कोर था। मुझे लगता है कि हमने कुछ कम स्कोर बनाए, लेकिन मुझे लगता है कि हम थोड़ा रन और बना सकते थे। मुझे लगता है कि हमें अपने कैच पकड़ने की जरूरत है। यानी धोनी ने टीम की बल्लेबाजी और फील्डिंग पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे कहा कि हमने आखिरी की 4 गेंदें नहीं खेली और 19वें ओवर में 4 विकेट गंवा दिए। इस तरह से मैचों में 7 गेंदें बहुत अहम होती हैं।

ब्रेविस को बताया टीम का असेट

धोनी ने पिच के बारे में कहा कि ये हमारे घरेलू मैदान पर अब तक का सबसे अच्छा विकेट था और यही वजह है कि मुझे लगा कि हमने 15 रन कम बनाए। उन्होंने कहा कि सैम करन और डेवाल्ड ब्रेविस के बीच अच्छी साझेदारी हुई। ब्रेविस मध्यक्रम में रन को गति देने का काम करते हैं और वो शानदार फील्डर भी हैं। वो टीम के लिए एनर्जी लेकर आते हैं और वो जिस तरह से खेल रहे हैं वो आगे चलकर सीएसके के लिए एक असेट बन सकते हैं।

मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका, आईपीएल 2025 से बाहर हुआ ये खिलाड़ी, धोनी भी हो गए थे कायल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल2025 के बीच मुंबई इंडियंस को तगड़ा झटका लगा है. दरअसल, टीम के युवा लेफ्ट आर्म स्पिनर विग्नेश पुथुर पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. इंजरी की वजह से वो इस सीजन बचे हुए मुकाबले नहीं खेल पाएंगे. उन्होंने मार्च में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया था. पुथुर ने अपने पहले मुकाबले में ही कहर बरपा दिया था. इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे पुथुर ने 3 बड़े शिकार किए थे. एमएस धोनी भी उनकी गेंदबाजी देखकर काफी प्रभावित हुए थे. मैच के बाद धोनी ने उनके पास जाकर उनकी तारीफ की थी. एमआई ने लेग स्पिनर रघु शर्मा को पुथुर के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है. विग्नेश पुथुर की इंजरी को लेकर एक बयान जारी किया है. इसके मुताबिक, पुथुर बोन स्ट्रेस रिएक्शन का शिकार हुए हैं. उनके दोनों पिंडलियों में ये समस्या है. इसलिए उन्हें पूरे सीजन के लिए बाहर किया गया है और अब एक भी मैच नहीं खेल पाएंगे. फ्रेंचाइजी ने इस मुश्किल समय में 22 साल के इस खिलाड़ी के लिए अपना सपोर्ट दिया है. वो टीम के साथ अभी भी जुड़े रहेंगे. अब विग्नेश मुंबई इंडियंस की मेडिकल और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग टीम की देखरेख में अपनी रिकवरी और रिहैब पर ध्यान पर ध्यान देंगे.

रघु शर्मा टीम में शामिल

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के बचे हुए मैचों के लिए चोटिल विग्नेश पुथुर की जगह लेग स्पिनर रघु शर्मा को साइन किया है. जालंधर के रहने वाले 32 साल के दाएं हाथ के लेग स्पिनर रघु पंजाब और पुडुचेरी के लिए खेल चुके हैं. फिलहाल घरेलू क्रिकेट में वो पुडुचेरी का प्रतिनिधत्व करते हैं. रघु शर्मा ने फर्स्ट क्लास में 11 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 19.59 की औसत से 57 विकेट चटकाए हैं. उन्होंने लिस्ट ए के 9 मैचों में 14 विकेट और 9 टी20 मैचों में 3 विकेट हासिल किए हैं. रघु पहली बार आईपीएल में उतरने जा रहे हैं.

पाकिस्तान के अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक, ओलंपिक चैंपियन क्यों आए लपेटे में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का यह संदेश मिल रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान के कई एथलीट्स, क्रिकेटर्स और टीवी कलाकारों के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है। इसी कड़ी में ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम भी इसके लपेटे में आ गए हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एक कानूनी अनुरोध के कारण भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का यह संदेश मिल रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया। कानूनी अनुरोध पर क्लिक करने पर लिख कर आ रहा, हमें इस अकाउंट को प्रतिबंधित करने के लिए एक कानूनी अनुरोध प्राप्त हुआ। हमने अपनी नीतियों के विरुद्ध इसकी समीक्षा की और एक कानूनी और मानवाधिकार मूल्यांकन किया। समीक्षा के बाद हमने उस स्थान पर सामग्री तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया जहां यह स्थानीय कानून के विरुद्ध है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इस आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई सख्त फैसले लिए, जिसमें से एक भड़काऊ और संवेदनशील सांप्रदायिक सामग्री फैलाने वाले कई पाकिस्तानियों के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रतिबंध भी शामिल है।

श्रेयस अय्यर को झटका, सीएसके के खिलाफ आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का जुर्माना लगा सीएसके

चेन्नई, एजेंसी। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 49वें मैच के दौरान पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया। यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत पंजाब का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघन से संबंधित है, इसलिए 30 वर्षीय खिलाड़ी पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

अय्यर ने घर से बाहर भी अपना प्रदर्शन जारी रखा। वहीं, प्रभसिमरन सिंह का अर्धशतक और युजवेंद्र चहल की हैट्रिक भी अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन रहे जिससे पंजाब ने चेपाक में चार विकेट से जीत के साथ छ्रस्र्य को प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। सुपर किंग्स पर अपनी टीम की जीत के बाद पंजाब स्थित फ्रैंचाइजी के कप्तान अय्यर ने रन-चेज के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए कहा कि जब बोर्ड पर बड़ा स्कोर होता है तो वह बहुत खुश होते हैं। मैच के बाद अय्यर ने कहा, मुझे किसी भी क्षेत्र में पीछा करना पसंद है। मुझे लगता है कि जब भी बोर्ड पर बड़ा स्कोर होता है तो मैं बहुत खुश होता हूं और आपको टीम के लिए चार्ज और गति लेने की जरूरत होती है ताकि बाकी बल्लेबाज आकर पूरी ताकत से खेल सकें। अपने खराब होम रन के बारे में जिसमें वे अभी तक अर्धशतक नहीं बना पाए हैं, उन्होंने कहा, मैं इसे [अपने विदेशी फॉर्म] कोसना नहीं चाहता और बस वर्तमान में रहना चाहता हूं और गेंद पर प्रतिक्रिया करना चाहता हूं।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहां खेल रहा हूं। मैं बस अपने दृष्टिकोण के साथ खेलता हूं। कभी-कभी यह काम करता है, और कभी-कभी नहीं। हाल ही में मैं नेट्स में बहुत बल्लेबाजी कर रहा हूं और तेज गेंदबाजों का सामना कर रहा हूं, खासकर नई गेंद से और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिस पर मैंने काम किया है। और जब भी मैं मैदान पर जाता हूं तो मेरा रवैया कुछ ऐसा होता है जिसे मैं ऊंचा रखता हूं। इसलिए मुझे लगता है कि ये सभी छोटे बॉक्स टिक किए गए हैं और यह देखने लायक है।

टॉप्स खिलाड़ियों को दी गई आठ करोड़ की अग्रिम राशि अभी तक अनिश्चित, बिल जमा नहीं करना बना कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में प्रदर्शन आडिट के दौरान इस पर आपत्ति जताई गई जिसके कारण करीब 30 खिलाड़ी (कोर और डेवलपमेंटल ग्रुप दोनों में) सवालों के घेरे में है। साइ और खेल मंत्रालय के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि संबंधित टॉप्स खिलाड़ियों ने विलंब का उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जबकि उन्हें बारंबार याद दिलाया गया था।

खेल मंत्रालय की प्रमुख टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत खिलाड़ियों को दी गई आठ करोड़ रुपये तक की अग्रिम राशि अभी तक अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि लाभार्थी बार-बार याद दिलाने के बावजूद बिल या वसूली राशि जमा करने में विफल रहे हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के भीतरी आकलन में इसका खुलासा हुआ है। रकम और उन खिलाड़ियों के बारे में खुलासा नहीं किया गया है। हाल ही में प्रदर्शन आडिट के दौरान इस पर आपत्ति जताई गई जिसके कारण करीब 30 खिलाड़ी (कोर और डेवलपमेंटल ग्रुप दोनों में) सवालों के घेरे में है। साइ और खेल मंत्रालय के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि संबंधित टॉप्स खिलाड़ियों ने विलंब का उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जबकि उन्हें बारंबार याद दिलाया गया था। समझा जाता है कि इसके लिये उचित उपाय किये जायेंगे ताकि हाल ही में खत्म हुए ओलंपिक चक्र में खर्च किये गए पैसे के बारे में जानकारी मिल सके।

मंत्रालय की मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 155वीं बैठक में इस मसले पर विस्तार से चर्चा की गई। एक सूत्र ने कहा, सभी सदस्यों का मानना था कि बिल जमा नहीं करने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हालात से निपटने के लिये कई तरह के सुझाव दिये गए। इसमें नकद पुरस्कार में से कटौती या बार बार अनसुनी करने वाले खिलाड़ियों के ताजा प्रस्तावों में से कटौती शामिल है। इस पर हालांकि कोई फैसला नहीं लिया गया। अगली बैठक में फिर यह मसला उठेगा। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा के लिये अग्रिम भुगतान लेने पर 15 दिन के भीतर बिल जमा करने होते हैं। सूत्र ने कहा, हम समझते हैं कि वे व्यस्त है लेकिन कुछ बकाया बिल तो दो साल पुराने हैं। यह करदाताओं का पैसा है और दूसरे खिलाड़ियों के लिये अच्छा उदाहरण नहीं है। जवाबदेही लाना जरूरी है।

चैंपियंस लीग 2024-25 सेमीफाइनल फर्स्ट लेग इंटर मिलान से दो बार पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने 3-3 से की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले लेग में बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा। बार्सिलोना क मोंटजुइक ओलिंपिक स्टेडियम में खेले गए मैच में बार्सिलोना दो बार पिछड़ने के बाद वापसी की और अंत में मुकाबले को बराबरी करने में सफल रही।

30 सेकेंड के खेल में ही इंटर मिलान ने ली 1-0 की बढ़त मैच शुरू होने के 30 सेकेंड में ही इंटर मिलान ने गोल कर बार्सिलोना पर 1-0 की बढ़त बना ली। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने बैकहील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल किया। हालांकि, उसके बादबार्सिलोना की ओर से फेरान टोरेस ने पहले 15 मिनट में दो बार लगभग नेट पर गेंद को पहुंचाया, पर गोल में तब्दील नहीं कर पाए। वहीं इंटर मिलान की ओर से डेंजल डम्फ्रीज ने मैच के 20वें मिनट में कॉर्नर से मिले मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और मिलान को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

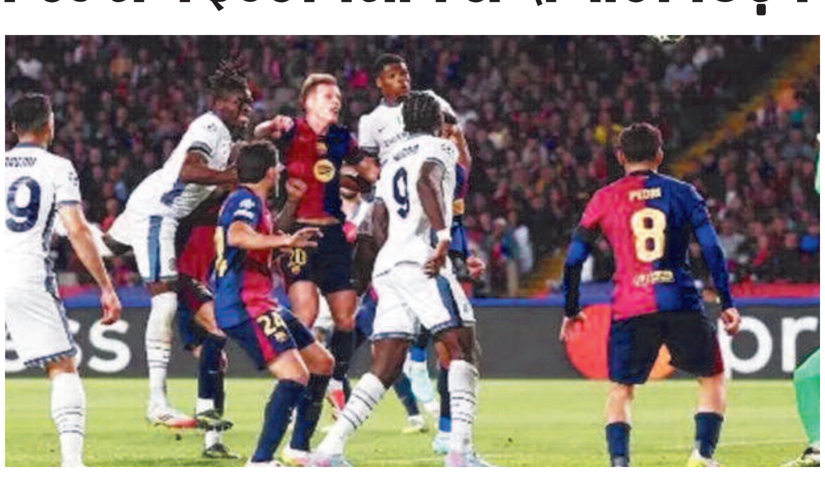

16 साल के लैमिन यामल ने बार्सिलोना को मैच में वापसी कराई हालांकि, बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार लैमिन यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में अकेले गेंद को गोल में तब्दील कर बार्सिलोना की मैच में वापसी कराई। उन्होंने मैच के 24 वें मिनट में मिलान के थुराम को पीछे छोड़ते हुए और मखितारियन को छकाते हुए गेंद को बाएं पोस्ट से गोल में डाल कर स्कोर 1-2 कर दिया। वे इस गोल के साथ ही चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। पहले हाफ तक स्कोर 2-2 की बराबरी पर पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफिन्हा ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फेरान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लोज रेंज से गोल किया। जिससे पहले हाफ तक स्कोर 2-2 हो गया।

दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने गोल कर मिलान को 3-2 से आगे किया हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने मैच के 64वें मिनट में एक बार फिर हेडर से गोल कर टीम को 3-2 से आगे कर दिया। गोलकीपर सोमर का आत्मघाती गोल, बार्सिलोना ने फिर की बराबरी इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। मैच के 68 वें मिनट में यामाल के कॉर्नर को रफिन्हा ने बॉक्स के किनारे से शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर मिलान के गोलकीपर सोमर के सिर पर टकराया और गोल में चला गया। जिसे बार्सिलोना स्कोर 3-3 की बराबरी करने में सफल हुई।

6 मई को दूसरे लेग में फिर भिड़ेंगी दोनों टीमें अब दोनों टीम में 6 मई को दूसरे लेग में आपस में भिड़ेंगी। इसमें जीतने वाली टीम 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या आर्सेनल से भिड़ेगी।